जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

जालोर

Rashtradoot

फोनः- 226422, 226423 फैक्सः- 02973-226424 वर्षः 20 संख्याः 249 प्रभात जालोर, मंगलवार 16 दिसम्बर, 2025 पो. रजि. /RJ/SRO/9640/2022-24 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

प्रियंका गांधी की गुप-चुप मुलाकात हुई प्रशांत किशोर से

प्रियंका गांधी ने मुलाकात की खबर को स्वीकार नहीं किया, पर, इनकार भी नहीं किया। नाराज़ होकर यह जरूर कहा, मैंने किस से मुलाकात की इससे आपको क्या सरोकार है

- प्रशांत किशोर ने ''हां, हूं, हां, हूं'' सा गोलमोल जवाब दिया, के.सी. वेणुगोपाल ने खबर को गलत बताया
- वर्तमान में वेणुगोपाल, कांग्रेस पार्टी के संचालन की बागडोर संभाले हैं तथा राहुल गांधी के सबसे विश्वासी नेता हैं।
- प्रियंका गांधी, वेणुगोपाल व उनके ग्रुप से खुश नहीं तथा इस ग्रुप को कांग्रेस के चिंताजनक हालात के लिए जिम्मेवार मानती हैं।
- प्रारंभ में जब प्रशांत किशोर मुख्य सलाहकार के रूप में उभर रहे थे, प्रियंका गांधी उनको कांग्रेस से जोड़ने की योजना की मुख्य पैरोकार थीं, पर, राहुल इस सोच के सख्त खिलाफ थे तथा सोनिया गांधी ने राहुल का पक्ष लिया था और प्रशांत किशोर चुप पड़ गए थे।
- अब पुनः प्रियंका गांधी का प्रशांत किशोर से गुप-चुप मुलाकात करना, प्रशांत किशोर के सोच व रणनीति से लाभ लेने का प्रयास है।
- राहुल गांधी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी वेणुगोपाल व उनका ग्रुप कांग्रेस को आगे बढ़ाने के लिए अलग सोच रखता है, जो आजकल प्रभावी है।
- राहलु गांधी व प्रियंका गांधी का कांग्रेस की दशा व दिशा के बारे में अलग-अलग सोच रखना, पार्टी के लिए शुभ संदेश नहीं है। इससे ''कंफ्यूज़न'' और बढ़ेगा, घटेगा नहीं।

- रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 दिसंबर। बिहार चुनावों के बाद एक दिलचस्प घटनाक्रम सामने आया कि प्रशांत किशोर ने पिछले हफ्ते दिल्ली में प्रियंका गांधी से गुपचुप मुलाकात की थी।

प्रशांत किशोर ने पहले इस मुलाकात से इनकार किया, फिर ऑफ द रिकॉर्ड हिचकिचाते हुए प्रतिक्रिया दी, पर खुल कर कुछ नहीं कहा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता के. सी. वेणुगोपाल ने भी इस मुलाकात से इनकार किया।

लेकिन प्रियंका गांधी ने, मुलाकात को न तो स्वीकार किया और न ही नकारा, यह कहा कि ''मैं किससे मिलती हूं और किससे नहीं, इससे किसी को कोई भी मतलब नहीं होना चाहिए।''

कुछ तथ्य दिलचस्प हैं।

जब पहले प्रशांत किशोर कांग्रेस में शामिल होने के लिए बातचीत कर रहे थे और पार्टी को पुनः जीवित करने के लिए उन्होंने कई प्रस्तुतियां दी थीं, तब प्रियंका गांधी पूरी तरह से उनके समर्थन में थीं और चाहती थीं कि वे पार्टी के चुनावी पुनर्निर्माण में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। लेकिन तब राहुल गांधी अड़ गए थे और उनका विरोध करते हुए कहा था कि प्रशांत किशोर को पार्टी में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ऑस्ट्रेलिया में आतंकी हमले के तार पाकिस्तान से जुड़े

सिडनी, 15 दिसंबर। ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में स्थित बॉन्डी बीच में रविवार को हुई फायरिंग में अब तक 16 लोगों की मौत की खबर आई है। वहीं, दर्जनों लोग गंभीर रूप से घायल हैं।

सिडनी के बॉन्डी बीच पर हुए हमले में हमलावरों की पहचान बाप-बेटे के रूप में हुई है। ये 50 वर्षीय साजिद अकरम और उनका 24 वर्षीय बेटा नवीद अकरम दोनों सिडनी में रहते थे। जांच में पता चला है कि दोनों पाकिस्तान मूल के हैं।

पुलिस की तरफ से जो वीडियो साझा किए गए, उनके जरिए सामने आया कि एक बंदूकधारी साजिद अकरम और दूसरा उसका बेटा- नवीद अकरम था। साजिद पुल पर फायरिंग के बाद पार्क एरिया पहुंच गया। इस दौरान जो तस्वीरें सामने आई हैं, उनमें लोगों को इधर-उधर भागते देखा गया।

- जांच में पता चला दोनों आरोपी साजिद व नवीद पिता पुत्र हैं तथा पाकिस्तान मूल के हैं।

आशंका है कि दोनों ने हमले की साजिश काफी पहले रच ली थी। उन्होंने कुछ हफ्ते पहले ही बॉन्डी बीच से आधे घंटे की दूरी पर स्थित कैंपसी में एक कमरा किराए पर ले लिया था। पुलिस ने यहां छापेमारी की है। इस जगह

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नितिन नबीन को भाजपा अध्यक्ष बनाने की घोषणा से पार्टी के वरिष्ठ नेता ही नहीं, स्वयं नितिन भी अचंभित थे

वो बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के साथ एक आयोजन में थे, जब उन्हें यह सूचना मिली

- 45 वर्षीय नितिन को पार्टी अध्यक्ष बनाकर भाजपा ने पुराने स्थापित नेताओं, शिवराज सिंह चौहान, देवेन्द्र फड़नविस व धर्मेंद्र प्रधान, की उम्मीदों पर पानी फेर दिया।
- हालांकि, नितिन पार्टी अध्यक्ष का स्थाई चार्ज जनवरी में लेंगे, परन्तु, लग यह रहा है कि इसके बाद भी वे मोदी व शाह के ''अंडरस्टडी'' ही रहेंगे, कुछ और समय तक।
- अगले वर्ष पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, आसाम व केरल में विधानसभाओं के चुनाव हैं तथा 2027 में उत्तर प्रदेश में विधानसभा का इलैक्शन है तथा प्र.मंत्री मोदी व गृह मंत्री अमित शाह, इन विधानसभा चुनावों में अहम भूमिका रखेंगे तथा सभी निर्णय लेंगे। शायद यह संभावना सूघंते हुए ही पुराने राजनीति स्तंभकार नितिन नबीन को ''पार्टी अध्यक्ष'' मान रहे हैं।

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 दिसम्बर। महीनों से चल रही अटकलों को खत्म करते हुए, भाजपा संसदीय बोर्ड ने अपेक्षाकृत कम चर्चित नेता नितिन नवीन को पार्टी का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया है। माना जा रहा है कि जनवरी में उन्हें पूर्णकालिक पार्टी अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है।

शिवराज सिंह चौहान, देवेन्द्र फड़नवीस या धर्मेन्द्र प्रधान जैसे स्थापित नेताओं को दरकिनार करते हुए, नितिन नवीन को आगे लाने का फैसला एक पीढ़ीगत बदलाव का संकेत माना जा रहा है। कायस्थ समुदाय के 45 वर्षीय नेता नितिन नवीन को भाजपा का सबसे युवा अध्यक्ष बनाए जाने की संभावना है। हालांकि भाजपा के पुराने रूप, जनसंघ के दौर में, दिवंगत अटल बिहारी वाजपेयी 44 वर्ष की उम्र में सबसे युवा अध्यक्ष बने थे।

शीर्ष पदों के लिये चौंकाने वाले फैसले लेने की भाजपा की नीति के अनुरूप, नितिन नवीन का चयन न केवल पार्टी के पुराने नेताओं को स्तब्ध कर देने वाला रहा, और बल्कि नितिन

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भव्य सर्वदलीय सम्मेलन जैसा लगा शरद पवार का जन्मदिन समारोह

राहुल, प्रियंका, गौतम अडानी, तृणमूल, भाजपा व कई अन्य दलों के नेता दावत में शरीक हुए

- भाजपा प्रवक्ता नलिन कोहली, जो दावत में आए थे, ने कहा यह एक गैर राजनैतिक कार्यक्रम था, और यह हमारी परंपरा को दर्शाता है कि हम बड़ों को जन्मदिन की शुभकामनाएं देकर उनके अच्छे स्वास्थ्य की कामना करते हैं।
- कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने भी इसी तरह की भावना जताई और कहा कि हर जगह राजनीति नहीं होनी चाहिए।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 दिसम्बर। एनसीपी-एसपी (नैशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी- शरद पवार) के प्रमुख शरद पवार के दिल्ली स्थित आवास पर बुधवार को एक निजी रात्रिभोज का आयोजन किया गया। यह आयोजन उनके 85वें जन्मदिन के उपलक्ष में रखा गया था। उनके आवास 6, जनपथ में हुए इस कार्यक्रम में विभिन्न राजनीतिक दलों और कारोबारी जगत के प्रमुख लोग एक साथ दिखाई दिए।

इस रात्रिभोज में कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार (हालाँकि वे अपने चाचा से राजनीतिक रूप से अलग हो चुके हैं), उद्योगपति गौतम अडानी और तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी शामिल थे। इनके अलावा, डिनर में बहुत से सांसद भी मौजूद थे, जिनमें तृणमूल कांग्रेस के सौगत रॉय, भाजपा नेता डी. पुरंदेश्वरी और केन्द्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू प्रमुख थे।

पूर्व केन्द्रीय रक्षा और कृषि मंत्री तथा महाराष्ट्र के चार बार मुख्यमंत्री रहे शरद पवार ने 12 दिसंबर को अपना 85वां जन्मदिन मनाया।

कार्यक्रम में शामिल भाजपा प्रवक्ता नलिन कोहली ने इसे पूरी तरह गैर-राजनीतिक बताया। उन्होंने पवार के आवास से निकलने के बाद कहा कि आयोजन वरिष्ठ सार्वजनिक हस्तियों को स्वास्थ्य और लंबी उम्र की शुभकामनाएँ देने की एक पुरानी सामाजिक परंपरा को दर्शा रहा था, खासकर उन लोगों को, जिनका समाज के लिए उल्लेखनीय योगदान रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह पूरी तरह निजी कार्यक्रम था और इसका कोई राजनीतिक मतलब नहीं था।

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने भी इसी प्रकार के भाव व्यक्त किये और राजनीति से ऊपर सामाजिक रिश्तों के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, ''राजनीति हर जगह नहीं होनी चाहिए। समाज आपसी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एसआईभर्ती-एसओजी का अब दस्तख़त-हैंड राइटिंग पर फोकस

जयपुर, 15 दिसम्बर। उप निरीक्षक (एसआई) भर्ती परीक्षा में पेपर लीक और डमी अभ्यर्थी बैठाकर परीक्षा पास कराने के मामले में विशेष अभियान चलाते हुए स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) गहन जांच में जुटा है।

- परीक्षा केन्द्र पर लिए गए फोटो, हैंड राइटिंग व हस्ताक्षरों का वर्तमान रिकॉर्ड से मिलान करने पर फर्जीवाड़े उजागर हो रहे हैं।

अब तक गिरफ्तार सभी अभ्यर्थियों के दस्तावेजों की बारीकी से पडताल की जा रही है। परीक्षा केन्द्र पर लिए गए फोटो, हैंडराइटिंग और हस्ताक्षरों का वर्तमान रिकॉर्ड से मिलान किया जा रहा है। संदेह की स्थिति में तकनीकी विश्लेषण और फॉरेंसिक साइंस लैबोरेट्री

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एक्स पर एक यूज़र ने थरुर और राहुल की तुलना की

थरुर ने आभार जताते हुए पोस्ट शेयर की

- उक्त यूज़र सिविटास समीर ने राहुल गांधी को ''मोस्ट एलीट और इन्सुलेटेड'' नेता बताया अर्थात् जो बहुत हाई स्टेट्स वाला है और जनता के दर्द व समस्या से अनभिज्ञ है। उसने कहा, इसलिए राहुल की ग्रामीण जनमानस की राजनीति दिखावटी और अविश्वसनीय लगती है।
- यूज़र ने कहा, राहुल के विपरीत थरुर कांग्रेस की, 90 के दशक की शहर आधारित, सुधारवादी व संस्थागत विचारधारा वाली राजनीति से जुड़े हैं, पूर्व प्र.मंत्री मनमोहन सिंह, नरसिम्हा राव आदि भी इसी विचारधारा का अनुसरण करते थे। इसमें जन आंदोलन और सांस्कृतिक जुड़ाव की बजाय प्रशासनिक व संस्थागत सुधार को महत्व दिया जाता था।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 दिसम्बर। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और सांसद शशि थरूर ने सोमवार की सुबह एक्स पर एक पोस्ट शेयर की, जिसमें उन्होंने अपनी तुलना नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से की। यह पोस्ट, जिसे रविवार शाम को एक यूजर सिविटास समीर ने साझा किया था, इस बात की ओर इशारा करती है कि थरूर को पार्टी में दरकिनार किया जा रहा है। पोस्ट में थरूर के विचारों को साझा करते हुए राहुल गांधी को कांग्रेस के ''सबसे एलिट एण्ड इन्सुलेटेड'' (ऊंचे स्टेटस वाले और आम जनता के संघर्ष से अनभिज्ञ) नेता के रूप में चित्रित किया गया और यह निष्कर्ष निकाला गया कि आज कांग्रेस ''मुख्यत: विरोधी है, महत्वाकांक्षी नहीं।''

इस पोस्ट ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अंदरूनी मतभेदों का विश्लेषण किया, जिसमें पार्टी की शहरी सुधारवादी और ग्रामीण जन-आधारित दृष्टिकोणों के बीच संतुलन बनाने के संघर्ष को रेखांकित किया गया। समीर ने नोट किया कि थरूर और राहुल के बीच का अंतर पार्टी में दो दीर्घकालिक प्रवृत्तियों को दर्शाता है। पोस्ट में कहा गया है, ''समस्या उनके सह-अस्तित्व में नहीं है। समस्या कांग्रेस की यह असमर्थता है कि वह या तो एक दृष्टिकोण को चुन सके, उसे एकीकृत कर सके या उसे सही तरीके से लागू कर सके।''

समीर के अनुसार, थरूर 1990 के दशक के कांग्रेस दृष्टिकोण के अनुरुप हैं, जो शहरोन्मुखी था तथा संस्थागत सुधार में यकीन रखता था। इस फ्रेमवर्क के भीतर पी.वी. नरसिम्हा राव, मनमोहन सिंह, एस. एम. कृष्णा और मॉन्टेक सिंह अहलूवालिया जैसे नेता काम कर रहे थे, जो नीतियों, संस्थानों और प्रशासनिक क्षमता को जन आंदोलन या सांस्कृतिक जुड़ाव से अधिक प्राथमिकता देते थे। इन शहरी टैक्नोक्रेट नेताओं को कांग्रेस में अक्सर नजरअंदाज किया जाता है, और प्राय इन्हें अपनी खुद की पार्टी की बजाय, दक्षिणपंथी वर्गों से अधिक पहचान मिलती है।

पोस्ट का तर्क है कि राहुल गांधी कांग्रेस की 2010 के बाद की रणनीति का प्रतिनिधित्व करते हैं, जो खुद को एक ग्रामीण, शिकायत करने वाली जन पार्टी के रूप में स्थापित करने की कोशिश कर रही है, तथा जिसका उद्देश्य भाजपा के प्रभुत्व का मुकाबला करना है। पोस्ट के अनुसार ''इस सब का सबसे विडंबनापूर्ण हिस्सा यह है कि जो व्यक्ति इस ग्रामीण रुझान का नेतृत्व कर रहा है, वह भारतीय राजनीति में सबसे अधिक एलिट और इंसुलेटेड व्यक्तियों में से

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नितिन नबीन का दिल्ली में भव्य स्वागत

नयी दिल्ली, 15 दिसंबर। भारतीय जनता पार्टी के नवनियुक्त कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन ने पार्टी के मुख्यालय में सोमवार को अपना पदभार ग्रहण कर लिया।

भाजपा मुख्यालय में आयोजित औपचारिक कार्यक्रम के दौरान नबीन ने कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में विधिवत पदभार संभाला। इस अवसर पर भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने उन्हें कुर्सी पर बैठाकर शुभकामनाएं दीं और संगठन में उनकी नई जिम्मेदारी के लिए बधाई दी।

- भाजपा के नवनियुक्त कार्यकारी अध्यक्ष ने पार्टी मुख्यालय में कार्यभार ग्रहण किया। शाह ने उनका अभिनंदन किया।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नितिन नबीन की नियुक्ति स्पष्ट संकेत है, अमित शाह का नरेन्द्र मोदी का उत्तराधिकारी होना, कोई गुप-चुप चर्चा का विषय नहीं, बल्कि एलानिया सत्य है

इस मासूम से दिख रहे राजनीतिक निर्णय ने कई वरिष्ठ राजनीतिक नेताओं का भविष्य बर्फ में लगा दिया

- कई वरिष्ठ नेता आशा कर रहे थे, व्यापक सलाह मशविरा होगा तथा एक संतुलन बिठाने का प्रयास होगा, सरकार, संगठन व आर.एस.एस. के बीच।
- विश्वासी नितिन नबीन अब संगठन की मशीनरी के मुखिया हैं, इससे शाह की पकड़ अब सरकार व संगठन पर और मजबूत हो गई है।
- सूत्रों के अनुसार, आर.एस.एस. को आशा थी कि एक सर्वसम्मत उम्मीदवार, पार्टी अध्यक्ष बनेगा जो संघ की दीर्घकालीन विचारधारा व सोच को भी प्राथमिकता देगा, पर, अब आर.एस.एस. अपनी इस आशा की पूर्ति करने में अपने आप को कमज़ोर स्थिति में पायेगा।

- जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 दिसंबर। बिहार के मंत्री नितिन नबीन को भारतीय जनता पार्टी का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाए जाने के अचानक फैसले ने पार्टी के शीर्ष नेतृत्व में हलचल मचा दी है। इस कदम के बाद भाजपा के भीतर उभरती उत्तराधिकार की लड़ाई को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं। कई वरिष्ठ नेताओं ने इस फैसले को ''अप्रत्याशित और झकझोर देने वाला'' बताया है और इसे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा सत्ता पर निर्णायक पकड़ बनाने के तौर पर देखा जा रहा है

पार्टी संगठन में ऊपर बढ़ने की उम्मीद लगाए बैठे कई दावेदारों के लिए 45 वर्षीय नितिन नबीन की नियुक्ति किसी झटके से कम नहीं है। एक वरिष्ठ भाजपा पदाधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर स्वीकार किया, इस एक फैसले ने कई राजनीतिक करियर को ठंडे बस्ते में डाल दिया है। खास तौर पर उन नेताओं में अनिश्चितता ज्यादा है, जो मानते थे कि पार्टी के नेतृत्व परिवर्तन के अगले चरण में व्यापक सलाह-मशविरा होगा और सरकार, संगठन व आर.एस.एस. के बीच संतुलन बन जाएगा।

भाजपा के गलियारों में इस नियुक्ति को सामान्य संगठनात्मक फेरबदल के बजाय लंबे समय से चल रही उत्तराधिकार की बहस में एक रणनीतिक कदम माना जा रहा है। मोदी सरकार में पहले से ही मजबूत स्थिति में मौजूद अमित शाह को अब अंदरूनी लोग ''पीएम-इन-वेटिंग'' के तौर पर पेश कर रहे हैं। पार्टी की कार्यकारी मशीनरी की कमान अपने भरोसेमंद सहयोगी नितिन नबीन को सौंपे जाने से सरकार और संगठन-दोनों पर शाह की पकड़ पहले से ज्यादा मजबूत नजर आ रही है।

पार्टी के रणनीतिकारों का मानना है कि संगठन पर नियंत्रण, मोदी के बाद की राजनीति की दिशा तय करने में बेहद अहम है। एक भाजपा अंदरूनी सूत्र ने कहा, भाजपा अध्यक्ष सिर्फ प्रशासक नहीं होता, वही टिकट तय करता है, संदेश गढ़ता है और आंतरिक अनुशासन संभालता है। अपने वफादार को इस पद पर बैठाकर शाह ने यह लगभग तय कर दिया है कि जब भी उत्तराधिकार की पटकथा सामने आएगी, वह उनकी शर्तों पर ही लिखी जाएगी।

इस फैसले ने पार्टी के अंदरूनी माहौल को भी काफी हद तक बदल दिया है। सूत्रों के मुताबिक, इससे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की उस कोशिश पर भी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आज जारी होगा नई वोटर लिस्ट का ड्राफ्ट

नयी दिल्ली, 15 दिसंबर। विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित क्षेत्रों की मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के अंतर्गत पश्चिम बंगाल, राजस्थान, गोवा, पुडुचेरी और लक्षद्वीप की संशोधित सूचियों का मसौदा मंगलवार को प्रकाशित किया जाएगा।

- राजस्थान के साथ साथ पश्चिम बंगाल, गोवा, लक्षदीप पुडुचेरी की संशोधित वोटर लिस्ट का ड्राफ्ट चुनाव आयोग तथा राज्य चुनाव अधिकारियों की वेबसाइट पर अपलोड होगा।

चुनाव आयोग के एक अधिकारी ने सोमवार को यहां बताया कि इन राज्यों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

महान विचार ही कार्य रूप में परिणत होकर महान कार्य बनते हैं। –विनोबा

सरकार के दो साल, जनता का हाल बेहाल

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अपनी सरकार के 2 वर्ष पूरा होने पर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की जिसमें उन्होंने अपनी सरकार के दो वर्ष की उपलब्धियों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। इसमें प्रत्येक विभाग की उपलब्धियों के आंकड़े दिए गए और बताया गया कि विभिन्न विभागों ने राजस्थान को देश में प्रथम स्थान दिलाया है।

इस लेख का उद्देश्य मुख्यमंत्री द्वारा इस सम्मेलन में दिए गए आंकड़ों को चुनौती देना नहीं है, बल्कि केवल यह कि आम जनता के जीवन पर इन दो सालों में किस प्रकार का प्रभाव पड़ा है एवं क्या उसका जीवन पहले से बेहतर हुआ है? क्या उसके साथ अन्याय पहले से कम हुआ है? क्या सरकार अपने वे सब काम भलीभांति कर रही है जिससे आम जनता का जीवन प्रभावित होता है जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, आधारभूत ढांचा, अपराधों पर नियंत्रण आदि।

जहां तक आंकड़ों का प्रश्न है, अर्थशास्त्री एक ही प्रकार के आंकड़ों से अलग-अलग निष्कर्ष निकाल सकते हैं। प्रत्येक व्यक्ति आंकड़ों का प्रस्तुतीकरण अपने-अपने दृष्टिकोण से करता है और निष्कर्ष भी उसी अनुसार निकालता है। आंकड़ों की जादूगरी करने में आर्थिक विशेषज्ञों को महारत हासिल है। राजनीतिक दल भी इनका उपयोग अपने हित अनुसार करते हैं।

यदि हम राष्ट्रीय स्तर पर बात करें तो भारत दुनिया में सबसे तेजी से प्रगति करने वाला देश है। यहां की जीडीपी वृद्धि की दर अन्य सभी देशों से कहीं अधिक है। भारत की कुल जीडीपी पूरे विश्व में चौथे नंबर पर है। लेकिन यदि हम इसके उलट, यह देखें कि भारत में प्रति व्यक्ति आय कितनी है, देश के नागरिकों की आय में असमानता कितनी है, उन्हें मिलने वाली मूलभूत आवश्यकताओं जैसे शिक्षा और स्वास्थ्य की गुणवत्ता की स्थिति क्या है, एवं भ्रष्टाचार की क्या स्थिति है, तो हम यह पाएंगे कि इन सब पैमानों पर भारत विश्व में बहुत नीचे के पायदान पर खड़ा है। इन मापदंडों पर भारत कई अफ्रीकी देशों से भी पीछे है।

अंग्रेजी में कहावत है, " Test of the pudding is in eating it". सरकार के परिप्रेक्ष्य में हम इसे देखें तो यह कहेंगे कि योजना पर कितना खर्च हुआ, यह महत्वपूर्ण नहीं है। महत्वपूर्ण यह है कि उससे राज्य की जनता कैसे प्रभावित हुई? आइए, हम कुछ क्षेत्रों में सरकार की उपलब्धियां का विश्लेषण, इस दृष्टि से करने का प्रयास करें।

कुछ ही दिनों पहले मीडिया में प्रमुखता से यह समाचार प्रकाशित हुआ था कि राज्य के केवल 9 जिलों में ही 300 से अधिक शिक्षक ऐसे विद्यालयों में पद स्थापित हैं जहां एक भी छात्र नामांकित नहीं है। इसका सीधा अर्थ यह हुआ कि लगभग 2 करोड़ रूपया महीना व्यर्थ हो रहा है। यह राशि उस जनता से एकत्रित की जाती है जो पूरी मेहनत करके जैसे-जैसे अपने लिए दो जून रोटी का जुगाड़ करती है। दूसरी ओर, अनेक विद्यालय ऐसे हैं जहां पर बड़ी संख्या में बच्चे हैं लेकिन उनको पढ़ाने वाले शिक्षक नहीं हैं। क्या इसे शिक्षा विभाग की असफलता नहीं माना जाएगा? आजकल सारे आंकड़ों का डिजिटाइजेशन कर दिया गया है और केवल एक क्लिक पर शिक्षा विभाग के आला अधिकारियों को पूरे प्रदेश के सारे विद्यालयों का पूरा खाका उपलब्ध हो जाता है। वहां किसी अधिकारी को इतने समय तक यह क्यों नहीं पता लग पाया कि इतनी बड़ी संख्या में शिक्षक बिना छात्रों के वेतन प्राप्त कर रहे हैं? जिस राज्य में पैसे की कमी को बहाने के रूप में काम में लिया जाता है, वहां दो करोड रुपए प्रति माह अर्थात लगभग 25 करोड़ रूपया साल का ऐसे लोगों को वेतन के रूप में दे देना जिनके पास कोई काम नहीं है, उसे राज्य की शासन व्यवस्था को अच्छा कैसे माना जा सकता है?

शिक्षा की दृष्टि से राजस्थान की स्थिति वैसे ही बड़ी कमजोर है और उस पर सरकारी विद्यालयों का यह हाल किसी भी रूप में क्षम्य नहीं है। इसके लिए शिक्षा विभाग के जिला स्तरीय अधिकारियों से लेकर राज्य स्तर के अधिकारी और शिक्षा मंत्री तक को अपनी जिम्मेदारी लेनी होगी। क्या मुख्यमंत्री जी ऐसा करेंगे?

भारत सरकार की एक बहुत ही महत्वाकांक्षी योजना है, प्रधानमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना। इसी की तर्ज पर राजस्थान में मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना चलाई जा रही है। यह दावा किया जाता है कि सभी गरीब परिवारों को इसके अंतर्गत सरकारी एवं निजी अस्पतालों में लाखों रुपए तक का मुफ्त में इलाज कैशलेस उपलब्ध है। जिस प्रकार के समाचार प्रतिदिन समाचार पत्रों में प्रकाशित होते हैं उससे तो यही लगता है कि यह योजना केवल कागजी सिद्ध हो रही है और वास्तविक रूप से वंचित और गरीब वर्ग को अब भी किसी न किसी कागज के अभाव में मान्यता प्राप्त निजी अस्पतालों में कैशलेस इलाज उपलब्ध नहीं हो रहा है। कोई मरीज यदि एक इलाज के लिए भर्ती हो और उससे संबंधित किसी अन्य प्रकार का इलाज करना पड जाए तो अस्पताल उससे पैसा वसूल करते हैं। सरकार के इस दावे पर विश्वास करके कि सबको अस्पतालों में कैशलेस इलाज की सुविधा उपलब्ध है, यदि कोई नागरिक इलाज कराने किसी अस्पताल में पहुंच जाए तो वहां जाकर के उसके लिए संकट की स्थिति उत्पन्न हो जाती है क्योंकि उसके पास पैसा नहीं होने के कारण उसे इलाज उपलब्ध नहीं हो पाता है।

कुछ ही दिनों पहले मीडिया में प्रमुखता से यह समाचार प्रकाशित हुआ था कि राज्य के केवल 9 जिलों में ही 300 से अधिक शिक्षक ऐसे विद्यालयों में पद स्थापित हैं जहां एक भी छात्र नामांकित नहीं है। इसका सीधा अर्थ यह हुआ कि लगभग 2 करोड़ रूपया महीना व्यर्थ हो रहा है। यह राशि उस जनता से एकत्रित की जाती है जो पूरी मेहनत करके जैसे-जैसे अपने लिए दो जून रोटी का जुगाड़ करती है। दूसरी ओर, अनेक विद्यालय ऐसे हैं जहां पर बड़ी संख्या में बच्चे हैं लेकिन उनको पढ़ाने वाले शिक्षक नहीं हैं ।

दुर्घटनाग्रस्त होने, अचानक बीमार होने या गंभीर अवस्था होने पर अस्पताल पहुंचाने का एकमात्र साधन एंबुलेंस है। सरकार के ही द्वारा पारित नियमों के अनुसार प्रत्येक एंबुलेंस में प्राथमिक उपचार की सभी प्रकार की व्यवस्थाएं होनी चाहिए जैसे मरीज के लिए लेटने की साफ, सुरक्षित व्यवस्था, ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर नापने की मशीन और ऑक्सीमीटर के साथ ही ऑक्सीजन सिलिंडर की व्यवस्था होना अनिवार्य है। एक समाचार पत्र के रिपोर्टर द्वारा एक वास्तविक स्थिति जानने का प्रयास किया गया तो यह सामने आया कि जयपुर जिले की लगभग 1000 एंबुलेंस में से 800 से अधिक में ऑक्सीजन सिलेंडर नहीं था। भरतपुर जिले के बयाना उपखंड के गांव से एक बच्चे को इलाज हेतु जयपुर के जेके लोन अस्पताल में रेफर किया गया तो ,उसकी मौत रास्ते में केवल इसलिए हो गई कि उस मासूम को एंबुलेंस में ऑक्सीजन उपलब्ध नहीं हो पाई थी। इस बच्चे की मौत की जिम्मेदारी लेने को कोई तैयार होगा? सरकारी व्यवस्थाओं में घोर लापरवाही और मॉनिटरिंग के अभाव में राजस्थान के नागरिक असमय काल कवलित हो रहे हैं। ऐसी घटनाओं की निरंतर पुनरावृत्ति राज्य शासन की स्वास्थ्य संबंधी व्यवस्था की पोल खोलती हैं।

जैसा कि ऊपर लिखा गया है, बिना मॉनिटरिंग के योजनाओं का वास्तविक लाभ आम जनता तक नहीं पहुंच पाता है। सरकार ने कुछ वर्षों पूर्व एक योजना MLA-LAD प्रारंभ की थी जिसके अंतर्गत विधायकों को प्रतिवर्ष एक निर्धारित बजट आवंटित होता था, जिसे वे स्थानीय आवश्यकता अनुसार अपनी इच्छा से कोई भी काम स्वीकृत कर सकते थे। कार्य किस विभाग या एजेंसी के माध्यम से किया जाएगा, यह तय करने का अधिकार भी संबंधित विधायक को दिया गया था। प्रारंभ में इसके अंतर्गत 40 लाख रुपए वार्षिक का प्रावधान था, जो अब बढ़ते बढ़ते 5 करोड़ रुपए प्रति वर्ष हो गया है। इस का मुख्य उद्देश्य यह था कि स्थानीय स्तर के अत्यावश्यक उपयोगी काम संबंधित विधायक इस राशि से करवा सकें।

कुछ समय पहले तक सुना जाता था कि बिहार और उत्तर प्रदेश में इस प्रकार के कामों को लिए एजेंसी तय करते समय विधायक/ सांसद कुछ धनराशि संबंधित विभाग के अधिकारियों से ले लिया करते थे, किंतु राजस्थान में जो हाल ही में स्थिति सामने आई है वह तो और भी चिंताजनक और भयावह है। एक रिपोर्टर ने जब स्टिंग ऑपरेशन किया तो खींवसर के विधायक डांगा ने तो कार्य पर खर्च होने वाली राशि का 30 से 40₹ तक लेने की मांग है। कल्पना ही की जा सकती है कि जिस काम की स्वीकृति के लिए विधायक 40₹ राशि रिश्वत में लेगा तो, उस काम पर वास्तव में कितना खर्च होगा? ऐसे ही रिश्वत लेने की बात एक निर्दलीय और एक कांठोस के विधायक ने भी की। कोई आश्चर्य नहीं कि ऐसे कराए गए काम अत्यंत घटिया स्तर के होंगे जो शीघ्र ही बेकार हो जाएंगे। सडकें टूट जायेंगी, और विद्यालय की छत ध्वस्त हो जाएगी। प्रधानमंत्री जी ने पद संभालते ही कहा था कि "न मैं खाऊंगा, ना खाने दूंगा"। भाजपा विधायक की इस हरकत पर अब प्रधानमंत्री क्या कार्यवाही करते हैं, इस पर सबकी नज़र रहेगी।

आशा है, तत्काल इनको भारतीय जनता पार्टी से निष्कासित करते हुए उनके विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। अच्छी बात यह है कि मीडिया में जिन विधायकों को एमएलए फंड से स्वीकृति के लिए पैसे की मांग करते हुए रिकॉर्ड पर पकडा गया, उनमें भाजपा के अतिरिक्त एक कांग्रेस का और एक निर्दलीय विधायक भी है।

नशे की स्थिति यह है कि पूरा शहर ही नशे के जाल में झकडा हुआ नजर आता है। युवा, विशेष कर नाबालिग़ बच्चे इन ड्रग्स का शिकार होकर अपना भविष्य बर्बाद कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि राज्य की राजधानी जयपुर में यह विद्यालयों के पास और विभिन्न स्थानों पर धडल्ले से बेची जा रही हैं। जब किसी समाचार पत्र का एक रिपोर्टर यह पता कर सकता है कि कहां किस प्रकार के ड्रग्स उपलब्ध कराए जा रहे हैं तो वहां के थानेदार या उच्च पुलिस अधिकारियों को इसकी जानकारी नहीं होगी? जानकारी होगी अवश्य, किंतु शायद लालच में वे उनके विरुद्ध कार्रवाई नहीं करते हैं।

शहर की सफाई, यातायात एवं पार्किंग व्यवस्था में गत 2 वर्ष में कोई सुधार नहीं हुआ है, अपितु स्थिति पहले से और खराब हो गई है। राज्य की राजधानी जयपुर में विभिन्न बस्तियों में गंदगी के ढेर प्रतिदिन देखे जा सकते हैं। बेतरतीब पार्किंग यथावत है और सडकें अनधिकृत पार्किंग से ठास्त हैं। जब इंदौर गंदगी से मुक्त हो सकता है, तो जयपुर क्यों नहीं? क्या यह नहीं हो सकता कि शहर से संबंधित सभी विभागों के अधिकारी चाहे वे पी डब्लू डी, पी एच ई डी, नगर निगम, राजस्व, विद्युत, ट्रैफिक विभाग के हों, सभी नगर निगम के अधीन होने चाहिएं। उन पर पूरा प्रशासनिक नियंत्रण नगर निगम का ही होना चाहिए। तब, समन्वय की समस्या नहीं रहेगी।

यदि वास्तव में मुख्यमंत्री को जनता का विश्वास प्राप्त करना है और सुशासन वाले मुख्यमंत्री के रूप में अपना नाम दर्ज कराना है तो उन्हें अपने कार्यकाल के शेष 3 वर्ष में केवल आंकडों पर ध्यान देने के बजाय ऐसी व्यवस्था विकसित करनी चाहिए जिससे धरातल पर आमजन को उसका वास्तविक लाभ मिले। इसका आकलन करने हेतु स्वतंत्र, निष्पक्ष व्यक्तियों से फीडबैक लिया जाना चाहिए।

जब सरकार अपने कार्यकाल के तीसरे वर्ष में प्रवेश कर रही है तो आम जनता यही अपेक्षा करती है कि उसके सारे काम सरकार में बिना परेशानी के हों, जो पैसा उससे वसूल किया जाता है उसका शत प्रतिशत सदुपयोग किया जाए और जो इसमें बाधक बने उसके विरुद्ध कडी से कडी कार्रवाई करके जनता को सूचित किया जाए। ऐसा करने में प्रारंभिक कठिनाइयों का सामना एवं दल के कार्यकर्ताओं का विरोध भी मुख्यमंत्री को झेलना पड सकता है, किंतु जनता के हित का यही रास्ता है जो उन्हें लोकप्रियता प्रदान करेगा और साथ ही जनता को राहत भी।

मुख्यमंत्री का जन्म दिवस भी संयोग से 15 दिसंबर को है, अत: उन्हें जन्मदिन की बधाई के साथ ही उनके कार्यकाल के 2 वर्ष पूरा करने पर बधाई एवं उनके शेष कार्यकाल के लिए अनेकानेक शुभकामनाएं! मेरी यह कामना है कि एक वर्ष बाद जब मैं ऐसा ही संपादकीय लिखूं तो शीर्षक ऐसा हो, "सरकार के तीन साल, आम जन खुश हाल"।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

सुशासन की सेहत : मजबूत होता राजस्थान का सार्वजनिक स्वास्थ्य तंत्र

गजेन्द्र सिंह खींवसर

स्वास्थ्य तंत्र सरकार की संवेदनशीलता और सुशासन का सबसे प्रामाणिक पैमाना होता है। राज्य सरकार का विगत 2 वर्षों में यह प्रयास रहा है कि गरीब परिवार बिना आर्थिक चिंता के इलाज पा सके, एक गर्भवती महिला को सुरक्षित प्रसव की सुविधा मिले और गंभीर बीमारी भी परिवार को कर्ज़ के दलदल में न धकेले।

राजस्थान ने गत दो वर्षों में इसी कसौटी पर अपने स्वास्थ्य तंत्र को नए सिरे से सुदृढ़ करने का कार्य किया है। यह परिवर्तन मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के स्पष्ट मार्गदर्शन, दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति और परिणामोन्मुख प्रशासनिक संस्कृति का प्रत्यक्ष परिणाम है। मुख्यमंत्री का आरंभ से ही यह दृष्टिकोण रहा है कि स्वास्थ्य योजनाएं केवल घोषणाओं तक सीमित न रहें, बल्कि उनका लाभ अंतिम व्यक्ति तक समयबद्ध और पारदर्शी रूप से पहुंचे। इसी सोच के अनुरूप राज्य सरकार ने नि:शुल्क दवा, नि:शुल्क जांच, आयुष्मान आरोग्य, मातृ-शिशु स्वास्थ्य, आपातकालीन सेवाएं और चिकित्सा शिक्षा हर स्तर पर ठोस, मापनीय और जनजीवन को सीधे प्रभावित करने वाले कदम उठाए हैं।

राजस्थान आज देश के उन अग्रणी राज्यों में है, जहाँ नि:शुल्क दवा योजना केवल सामाजिक प्रतिबद्धता नहीं, बल्कि बड़े पैमाने पर क्रियान्वयन का उदाहरण बन चुकी है। मुख्यमंत्री नि:शुल्क दवा योजना के अंतर्गत लगभग 1034 करोड़ रुपये से अधिक की दवाइयों की आपूर्ति कर 10 करोड़ से अधिक मरीजों को लाभान्वित किया गया। मेडिकल कॉलेज स्तर से लेकर उप-स्वास्थ्य केंद्रों तक आवश्यक दवाएं, सर्जिकल और सूचर सामग्री सुनिश्चित की गई। इसी प्रकार मुख्यमंत्री नि:शुल्क जांच योजना के अंतर्गत 774 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से लगभग 30 करोड़ जांचें की गईं, जिससे 8 करोड़ से अधिक मरीजों को सीधा लाभ मिला। इससे गरीब और मध्यम वर्ग को न केवल आर्थिक राहत मिली, बल्कि समय पर जांच और इलाज संभव हो सका।

मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना का दायरा विस्तार कर इसमें 132 नए पैकेज जोड़े गए। इसके अंतर्गत 35 लाख से अधिक लाभार्थियों को 6860 करोड़ रुपये से अधिक की कैशलेस उपचार सुविधा उपलब्ध कराई गई। यह योजना अब केवल राज्य तक सीमित नहीं, बल्कि इन-बाउंड पोर्टेबिलिटी के माध्यम से अन्य राज्यों के लाभार्थियों को भी राजस्थान में उपचार का लाभ दे रही है। यह न केवल योजना की मजबूती दर्शाता है, बल्कि राजस्थान को विश्वसनीय स्वास्थ्य गंतव्य के रूप में स्थापित करता है। पिछले दो वर्षों में स्वास्थ्य ढांचे के विस्तार पर विशेष बल दिया गया। प्रदेश में 7 उप जिला अस्पतालो को जिला अस्पताल में उन्नयन, 61 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों का उप जिला अस्पतालों में उन्नयन किया गया। स्वास्थ्य सेवाओं को भौगोलिक दृष्टि से सुलभ बनाने के लिए 49 नए उप-स्वास्थ्य केंद्र, 6 नए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, 379 नए प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र प्रारंभ किए गए।

डायलिसिस, वेंटिलेटर, सोनोग्राफी और आईसीयू सुविधाओं के विस्तार के तहत राज्य के 195 चिकित्सा संस्थानों में 390 डायलिसिस मशीनें, 186 वेंटिलेटर और 51 सोनोग्राफी मशीनें स्थापित की गईं। इससे गंभीर रोगियों को जिला स्तर पर ही बेहतर उपचार उपलब्ध हो सका है। आपातकालीन सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए 53 पुराने 108 एंबुलेंस वाहनों के स्थान पर नए वाहन लगाए गए तथा 196 नई 108 एंबुलेंस सेवा में जोड़ी गईं। इसके साथ ही इंटीग्रेटेड इमरजेंसी एंड ट्रॉमा रिस्पॉन्स सिस्टम की पायलट शुरुआत ने दुर्घटनाओं और आपात स्थितियों में त्वरित चिकित्सा सहायता की क्षमता बढ़ाई।

राज्य में 18 लाख से अधिक संस्थागत प्रसव, 25 लाख से अधिक नि:शुल्क जांच, 17 लाख से अधिक नि:शुल्क पोषण और 12 लाख से अधिक महिलाओं को अस्पताल से घर तक नि:शुल्क परिवहन सुविधा प्रदान की गई। स्पेशल न्यूबॉर्न केयर यूनिट्स में 2.33 लाख नवजातों का उपचार हुआ। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत हृदय रोग से ठास्त 594 बच्चों सहित हजारों बच्चों की सर्जरी और उपचार सुनिश्चित किया गया।

स्वास्थ्य सेवाओं में गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु 459 सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों को राष्ट्रीय गुणवत्ता प्रमाणन और 317 को राज्य स्तरीय प्रमाणन प्राप्त हुआ। नशीली दवाओं के दुरुपयोग, मिलावटखोरी और अवैध गतिविधियों पर कार्रवाई करते हुए हजारों निरीक्षण, लाइसेंस निलंबन-रद्दीकरण और करोड़ों रुपये की जब्ती की गई।

मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में ऐतिहासिक विस्तार हुआ।नए सरकारी और निजी मेडिकल कॉलेज स्थापित होने से एमबीबीएस सीटों में निरन्तर वृद्धि हो रही है। साथ ही पीजी और सुपर-स्पेशियलिटी सीटों का विस्तार हुआ है।

आयुर्वेद, योग, होम्योपैथी और प्राकृतिक चिकित्सा को मुख्यधारा से जोड़ते हुए आयुष्मान योजना में 20 आयुष पैकेज शामिल किए गए हैं। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2025 पर 1.69 लाख से अधिक स्थानों पर आयोजन और एक करोड़ से अधिक प्रतिभागियों की भागीदारी ने राजस्थान को देश में अग्रणी स्थान दिलाया।

आज राजस्थान का स्वास्थ्य तंत्र प्रतिक्रियात्मक से आगे बढ़कर पूर्व-नियोजित, तकनीक आधारित और जन केंद्रित मॉडल की ओर अठासर है। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में यह सिद्ध हुआ है कि जब राजनीतिक संकल्प स्पष्ट हो और प्रशासनिक क्रियान्वयन ईमानदार, तो स्वास्थ्य जैसे संवेदनशील क्षेत्र में भी परिवर्तन संभव है।

स्वास्थ्य मंत्री के रूप में मेरा दृढ़ विश्वास है कि यह यात्रा केवल उपलब्धियों की सूची नहीं, बल्कि जन-विश्वास की पुनर्स्थापना की कहानी है। आने वाले वर्षों में राजस्थान न केवल बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं वाला राज्य बनेगा, बल्कि देश के लिए सुशासन आधारित सार्वजनिक स्वास्थ्य मॉडल का उदाहरण भी प्रस्तुत करेगा।

गजेन्द्र सिंह खींवसर
स्वास्थ्य मंत्री, राजस्थान

नियमों की अनदेखी पर 13 बाल वाहिनियों के चालान काटे, कई वाहन जब्त

दो बाल वाहिनी, एक स्कूल वेन व 10 वाहनों को शर्तों के उल्लंघन करने पर जब्त किया

पावटा, (निसं)। विराटनगर थाना पुलिस ने नियमों की अनदेखी पर 13 बाल वाहिनियों के चालान काटे। जांच के दौरान कई वाहनों में आवश्यक सुरक्षा उपकरणों की कमी, क्षमता से अधिक बच्चों को बैठाना, और वैध दस्तावेजों की अनुपस्थिति जैसे गंभीर उल्लंघन पाए गए।

पुलिस ने राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण राजस्थान उच्च न्यायालय पीठ जयपुर के तत्वाधान एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोटपुतली-बहरोड के निर्देशन व तालुका विधिक सेवा सेवा समिति विराटनगर अध्यक्ष कुमार मोहन, सीबीईओ विराटनगर रामेश्वर जाट, आरटीओ भारतेंदु, विराटनगर थाना प्रभारी सोहनलाल संयुक्त टीम का गठन कर विराटनगर थाना क्षेत्र में संचालित विद्यालयों में उपयोग में ली जा रही बाल वाहिनियों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के बाद विराटनगर थाना क्षेत्र में स्कूल वाहनों में सुरक्षा नियमों की अनदेखी पर बड़ी कार्रवाई की गई। बाल वाहिनियों पर की गई कार्यवाही में बिना फिटनेस, बिना कैमरे के संचालित जांच के दौरान लगभग 30 बाल वाहिनियों का निरीक्षण किया गया। वहीं 13 बाल वाहिनियों का चालान किया गया, 1 वाहन फिटनेस नहीं होने के कारण जब्त किया गया, 1 वाहन की भौतिक स्थिति खराब होने के कारण जब्त किया गया एवं 10 वाहनों को बिना कैमरे व परमिट का उल्लंघन किया पाए जाने पर जब्त किया गया। इस अभियान में पुलिस ने बच्चों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सख्त कदम उठाए हैं। पुलिस, परिवहन विभाग, शिक्षा विभाग को इस संयुक्त कार्यवाही ने पूरे क्षेत्र में हड़कंप मचा दिया।

विराटनगर थाना पुलिस ने नियमों की अनदेखी पर बाल वाहिनियों को जब्त किया।

पुलिस के अनुसार क्षेत्र के कई स्कूल संचालक लंबे समय से परिवहन नियमों की अनदेखी कर रहे थे, जिससे स्कूली बच्चों की जान खतरे में पड़ रही थी।

वही स्कूल संचालकों को सख्त चेतावनी दी है कि वे यातायात नियमों की पूर्ण पालना सुनिश्चित करें और बच्चों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। इसके बावजूद कुछ स्कूल संचालक बेपरवाह बने रहे, जिसके चलते पुलिस ने सोमवार सुबह विशेष अभियान चलाया। विभिन्न मार्गों पर संचालित हो रही बाल वाहिनियों को रोका गया, उनकी जांच की गई और नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर तुरंत सीज कर थाने में खड़ा करवाया गया।

■ अभियान में पुलिस ने बच्चों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सख्त कदम उठाए

थानाधिकारी सोहनलाल ने कहा कि बच्चों की सुरक्षा से समझौता किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह कार्रवाई एक चेतावनी नहीं, बल्कि एक सख्त संदेश है कि यदि किसी ने भी भविष्य में नियमों की अवहेलना की तो उसके खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

दो दशक से मरम्मत को तरस रही है सड़क

सांभर में सिंधी व गोला बाजार की सड़क करीब दो दशक से मरम्मत को तरस रही है

सांभरझील, (निसं)। सांभर के दो महत्वपूर्ण सिंधी व गोला बाजार की सड़क करीब दो दशक से मरम्मत को तरस रही है। इन दोनों बाजारों की अनदेखी की मुख्य वजह आमजन की समझ से परे है। सिंधी बाजार की सड़क की तो जगह-जगह से कंक्रीट तक बिखर चुकी है। दो पहिया वाहन तो दूर पैदल चलना भी कठिन हो रहा है।

जानकारी के अनुसार विगत दो दशकों में करोड़ों रुपया नगर की सड़कों पर खर्च किया जा चुका है इनमें से कुछ मार्गों की सड़कें तो ऐसी है जो पहले से ही ठीक हालत में थी। लेकिन उखाड़ कर दोबारा बनाई गई जिसका कोई औचित्य नहीं था। इन सड़कों को सुधारने के लिए न तो कोई प्लान तैयार किया गया और न ही जनप्रतिनिधियों ने इसमें इंट्रेस्ट लिया। बारिश के मौसम में इन गड्ढों में पानी भर जाता है। जगह-जगह कीचड़ जमा होने से गोला बाजार के हालात भी बद्तर हो जाते हैं। इसी प्रकार पृथ्वीराज चौहान सर्किल से लेकर साल्ट फाटक तक सड़क भी अनेक जगह से गड्ढों में तब्दील हो चुकी है। पिछले साल पर्यटन महोत्सव के प्रारंभ होने से पहले इन गड्ढों को भरवारा गया था फिर उसके बाद दोबारा सुध नहीं ली।

■ बारिश के मौसम में इन गढ्ढों में पानी भर जाता है, कीचड़ जमा होने से गोला बाजार के हालात भी खराब हो जाते हैं

पुरानी देवयानी रोड छोटा बाजार में काफी दूरी तक पेयजल लाइन के लिए खोदी गई सड़क आज तक नहीं बन सकी है। छोटा बाजार से बड़ा बाजार तक की सड़क की सुध केवल वर्ष में एक बार यानी धूलंडी के अवसर पर ली जाती है वह भी केवल गड्ढों को भरने तक सीमित रहती है। इन मुद्दों को जिम्मेदार पार्षद बोर्ड की बैठक में उठाना तक भूल जाते हैं। यहां की बोर्ड की मीटिंग भी अब तक जितनी बार हुई है करीब करीब औपचारिकता पूर्ण सिद्ध हुई है।

राशिफल मंगलवार 16 दिसम्बर, 2025

पंडित अनिल शर्मा

पौष मास, कृष्ण पक्ष, द्वादशी तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2082, स्वाती नक्षत्र दिन 2:10 तक, अतिगंड योग दिन 1:23 तक, कौलव करण दिन 10:39 तक, चन्द्रमा आज तुला राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-धनु, चन्द्रमा-तुला, मंगल-धनु, बुध-वृश्चिक, गुरू-मिथुन, शुक्र-वृश्चिक, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज त्रिपुष्कर योग दिन 2:10 से रात्रि 11:58 तक है। आज संक्रांति पुण्यकाल पूर्वान्ह में है। आज से धनु मल मास आरम्भ होगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 9:47 से 11:05 तक, लाभ-अमृत 11:05 से 1:40 तक, शुभ 2:57 से 4:14 तक।

राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 7:13, सूर्यास्त 5:32 तक

मेष
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक यात्रा संभव है। शुभ कार्यों से संबंधित यात्रा संभव है।

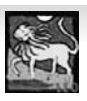

सिंह
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा।

धनु
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक यात्रा संभव है। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

वृष
मित्रों/रिश्तेदारों से चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिके वार्तो के लिए दिन अच्छा रहेगा।

मकर
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा।

मिथुन
परिजनों के व्यवहार के कारण दु:ख हो सकता है। महत्वपूर्ण मामलों में दुविधा बनी रहेगी। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

तुला
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मन:स्थिति में सुधार होगा। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी।

कुंभ
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

कर्क
घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है।

मीन
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

जीवन में धर्म का प्रभाव बना रहे : आचार्य महाश्रमण

पाली, (नि.सं.): आचार्यश्री भिक्षु जन्म त्रिशताब्दी वर्ष के अंतर्गत जैन श्वेताम्बर तेरापंथ धर्मसंघ के आद्य अनुशास्ता, महामना आचार्य भिक्षु व तेरापंथ धर्मसंघ की व्युत्पत्ति से संबंधित समस्त महनीय स्थलों व नगरों की यात्रा करते-करते जैन श्वेताम्बर तेरापंथ धर्मसंघ के ग्यारहवें अधिशास्ता, अखण्ड परिव्राजक, युगप्रधान आचार्य महाश्रमण सोमवार को अपनी धवल सेना के साथ महामना आचार्य भिक्षु की जन्मभूमि कंटालिया में पधारे तो पूरा कंटालिया गांव ही मानों अपने आराध्य की अभिवंदना में उमड़ आया। युगप्रधान आचार्य ने अपने आराध्य गुरुवर की भूमि पर 'आचार्यश्री भिक्षु जन्म त्रिशताब्दी वर्ष' के महाचरण के आयोजन के साथ-साथ तेरह रात्रि का प्रवास भी निर्धारित कर रखा है। ऐसे में देश के विभिन्न हिस्सों से श्रद्धालुओं के कारण पूरे गांव में मानों किसी त्योहार से माहौल बना हुआ था।

आचार्य महाश्रमण अपनी धवल सेना के साथ सोमवार को प्रात:काल की मंगल बेला में माण्डा से गतिमान हुए। माण्डावासियों ने मानवता के मसीहा आचार्य महाश्रमण के श्रीचरणों में अपने कृतज्ञ भाव अर्पित किए। कंटालिया प्रवास के लिए दूर क्षेत्रों में रहने वाले श्रद्धालु भी अपने गांव में अपने आराध्य की आगमन के संदर्भ में अपने पैतृक गांव में उपस्थित होकर सोत्साह उपस्थित थे। उत्साही श्रद्धालु तो मार्ग में ही पहुंच कर अपने आराध्य श्रीचरणों का अनुगमन करने लगे। कंटालिया गांव में प्रवेश से पहले ही सैंकड़ों-सैंकड़ों की संख्या में उपस्थित श्रद्धालु अपने आराध्य के स्वागत में उत्सुकतापूर्वक उपस्थित थे। जैसे ही महातपस्वी आचार्यश्री महाश्रमण कंटालिया के निकट पहुंचे तो उपस्थित जनमेदिनी ने बुलंद जयघोष से अपने आराध्य का भव्य अभिनंदन किया। विशाल स्वागत जुलूस के साथ युगप्रधान आचार्य महाश्रमण जन-जन पर आशीषवृष्टि करते हुए कंटालिया में स्थित सर्वप्रथम तेरापंथ धर्मसंघ के प्रथम अनुशास्ता आचार्यश्री भिक्षु की जन्मस्थली में पधारे। तदुपरान्त आचार्यश्री निकटस्थ ही स्थित निर्धारित प्रवास स्थल में पधार गए।

रावले के स्थान में बने भव्य एवं विशाल भिक्षु समवसरण में उपस्थित आस्थावान जनसमुदाय को महातपस्वी आचार्यश्री महाश्रमणजी ने पावन प्रतिबोध प्रदान करते हुए कहा कि मंगल के संदर्भ में शास्त्र में बताया गया है कि धर्म उत्कृष्ट मंगल है। एक सामान्य, एक जघन्य और एक उत्कृष्ट स्थिति होती है। इसलिए धर्म को सिर्फ मंगल ही नहीं, उत्कृष्ट मंगल कहा गया है। मानव जीवन में धर्म का बहुत ऊंचा स्थान है। इसके आगे धन, तन, जनता की बात छोटी होती है और धर्म सर्वाधिक ऊंचा होता है। धन भी यही रह जाने वाला है और यह तन भी यही छूट जाने वाला है, किन्तु धर्म आगे भी साथ जाने वाला होता है। धर्म की कमाई आगे भी साथ जाने वाली होती है। चारित्र आगे साथ नहीं जाता, लेकिन आत्मा की निर्मलता की स्थिति बनी रह सकती है। अहिंसा, संयम और तप को धर्म कहा गया है। जीवन में और उस व्यक्ति में आत्मा में धर्म का वास है, इसलिए धर्म को उत्कृष्ट मंगल कहा जाता है। जीवन में अहिंसा, संयम और तप का भाव है तो जीवन में धर्म का प्रभाव रह सकता है। जिसका मन धर्म में रमा रहता है, उसे देवता भी नमस्कार करते हैं। आज हम आचार्य भिक्षु की जन्मस्थली कंटालिया गांव में आए हैं। जो शिशु बहुत बड़ा महापुरुष बन जाता है तो उसके जन्मस्थान का गौरव भी बढ़ जाता है। अभी आचार्यश्री भिक्षु जन्म त्रिशताब्दी वर्ष चल रहा है। मध्य मंगल के रूप में हम महामना आचार्य भिक्षु जन्मस्थान कंटालिया में आए हैं। क्षेत्र का भी मानों भाग्योदय होता है। ऐसे माता-पिता भी धन्य हो जाते हैं, जिनका पुत्र एक विशेष स्थान प्राप्त कर लेता है। कंटालिया को आचार्यश्री भिक्षु की जन्मस्थली होने का गौरव प्राप्त है। उनकी माता दीपांजी ने सिंह का स्वप्न देखा। उन्होंने एक विख्यात पुत्र को जन्म दिया। यहां के लोगों ने उस गौरव को बनाए रखने का भी अच्छा प्रयास किया।

आचार्य ने आचार्य भिक्षु की अभिवंदना में 'भिक्षु म्हारै प्रकट्यया जी भरत खेतर में' गीत का आंशिक संगान करते हुए कहा कि कंटालिया इस समय भिक्षुमय बना हुआ है। यहां महाचरण का आयोजन हैं। यहां के लोगों में खूब धर्म की भावना बनी रहे।

आचार्य के स्वागत में आचार्य भिक्षु जन्मस्थली कंटालिया के अध्यक्ष गौतम एम. सेठिया, संयोजक गौतम जे. सेठिया, गणपत डागा व कंटालिया के ठाकुर नरपत सिंह ने अपनी भावाभिव्यक्ति दी। तेरापंथ महिला मण्डल-कंटालिया ने स्वागत गीत का संगान किया। अखिल तेरापंथ युवक परिषद की ओर अनंत बागरेचा ने 'ऊँ भिक्षु, जय तुलसी' के जप क्रम की सूचना देते हुए आचार्य से पांच बोल सुनाने का आग्रह किया तो आचार्य ने कुछ समय तक उक्त मंत्र के जप का प्रयोग भी कराया।

युवक पर हमला

जोधपुर, (कासं)। जिला पश्चिम में प्रतापनगर सदर थाना क्षेत्र में रविवार की रात को लाला लाजपत रॉय कॉलोनी में एक साथ दो घटनाएं हुई। एक में घरेलु सामान लेने जा रहे युवक पर चाकू से हमला किया गया तो दूसरी में आपसी विवाद में कुछ युवकों ने घर के बाहर खड़ी कार को निशाना बनाते हुए जबरदस्त तोडफ़ोड़ उत्पात मचाया। मामले में पुलिस ने तीन लोगों को डिटेन किया है। जिनसे पूछताछ जारी है।

प्रतापनगर सदर थाने के सबइंस्पेक्टर देवाराम ने बताया कि सरगरा कॉलोनी चौपासनी रोड निवासी विजय पुत्र रमेशचंद्र सरगरा ने रिपोर्ट दी। इसमें बताया कि वह रविवार की देर शाम साढ़े सात बजे अपने घर से बाइक पर सामान लेने एलएल कॉलोनी की तरफ जा रहा था। तब वहीं के रहने वाले रमन उर्फ शुभम मेघवाल और उसके चार पांच साथियों ने रास्ता रोका और रूपए देने से इंकार किए जाने पर मारपीट की और चाकू से हमला किया। एसआई देवाराम ने बताया कि पीड़ित विजय का मेडिकल कराया गया है और आरोपियों की तलाश की जा रही है। दूसरी घटना में एलएल कॉलोनी में सुनील मेघवाल के घर के बाहर उसकी कार खड़ी थी। तब संजय परिहार अपने कुछ साथियों संग आया और कार पर हथियारों से हमला करते हुए तोडफ़ोड़ की।

बेटे को बलात्कार मामले में झूठा फंसाया, पिता की गुहार

जोधपुर, (कासं)। कुड़ी भगतासनी थाने में गत दिनों बलात्कार का मामला दर्ज कराने वाली महिला के खिलाफ आरोपी युवक के पिता ने ब्लैकमेलिंग कर ढाई लाख रुपए ऐंठने और 16 लाख रुपए और देने का दबाव डालने का आरोप लगाया है। पुलिस ने परस्पर विरोधी मामला दर्ज किया है। गौरतलब है कि बयान दर्ज करवाने के दौरान पीड़िता के अधिवक्ता और तत्कालीन थानाधिकारी हमीरसिंह के बीच तकरार हो गई थी तथा थानाधिकारी ने अधिवक्ता से अभद्रता की थी।

सहायक पुलिस आयुक्त (बोरानाडा) आनंदसिंह राजपुरोहित ने बताया कि एक व्यक्ति ने कोर्ट में पेश इस्तगासे के आधार पर युवती और एक युवक के खिलाफ डराने-धमकाने तथा फोटो-वीडियो वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेलिंग करने का मामला दर्ज कराया है। आरोप है कि करीब एक साल पहले परिवादी की जान-पहचान युवती से हुई थी। दोनों में दोस्ती हो गई और वे साथ घूमने-फिरने लगे। बाद में दोनों एक-दूसरे से प्रेम करने लगे। वे ओसियां, माउंट आबू, अहमदाबाद, जसोल और बालोतरा भी साथ गए थे। इस बीच युवती परिवादी के पुत्र को आपत्तिजनक फोटो और वीडियो के जरिए ब्लैकमेल करने लगी और उससे रुपए मांगने लगी। दबाव में आकर युवक एक बार घर से जेवर चुराने लगा, जिसे उसके पिता ने पकड़ लिया। पूछताछ करने पर युवक ने युवती की ओर से ब्लैकमेल करने की जानकारी दी। युवती उससे तीन लाख रुपए मांग रही थी। युवक के विनती करने पर पिता ने 50 हजार रुपए दिए थे। परिवादी ने युवक की अन्य युवती से शादी तय कर दी। परिजन शादी की तैयारियों में जुटे थे। इसी दौरान युवक के मामा के मोबाइल पर अनजान व्यक्ति का फोन आया, जिसमें युवती के कुड़ी भगतासनी थाने में बलात्कार का मामला दर्ज कराने की जानकारी दी गई।

परिजन कुड़ी भगतासनी थाने पहुंचे और मामला दर्ज न कराने की विनती की। युवती के भाई ने युवक को गिरफ्तार कराने की धमकी दी। डरे-सहमे परिजनों ने शादी से चार दिन पहले बैंक से दो लाख रुपए निकालकर युवती को दिए, लेकिन वह 16 लाख रुपए लेने पर अड़ गई। परिवादी ने मकान गिरवी रखकर रुपए देने का भरोसा दिलाया। तब दोनों ने शादी के बाद शेष राशि लेने और शादी तक कोई दिक्कत न होने का भरोसा दिया। युवक की शादी के तीसरे दिन युवती के साथी ने फोन कर फिर से ब्लैकमेलिंग शुरू कर दी और गिरफ्तारी कराने की धमकियां देने लगा।

पीड़ित का आरोप है कि युवती के साथी ने युवक के घरवालों पर जल्द राशि देने का दबाव डाला और युवती के बयान दर्ज कराने की धमकी दी। आरोप है कि तीन दिसंबर को एक युवक पीड़ित के मकान पहुंचा और परिजनों को धमकाया कि उसे युवती के वकील ने भेजा है तथा आखिरी चेतावनी दी। दो दिन बाद फिर धमकियां दी जाने लगी। पीड़ित ने बताया कि उसके पुत्र को बलात्कार के मामले में झूठा फंसाया गया है। धमकियों और ब्लैकमेलिंग से परिवार आहत हो चुका है और उसने परिवार सहित आत्महत्या करने की धमकी दी है।

भदवासिया न्यू सब्जी मंडी में सब्जी विक्रेता पर हमला

जोधपुर, (कासं)। शहर के भदवासिया स्थित न्यू सब्जी मंडी में रविवार की सुबह एक सब्जी विक्रेता पर जानलेवा हमला करने वाले दूसरे दिन सोमवार को भी पुलिस की पकड़ में नहीं आए। सब्जी विक्रेता को मंडी परिसर में दौड़ा-दौड़ा कर लगिया और लोहे के पाइपों से हमला किया गया। घायल के भाई की तरफ से महामंदिर थाने में हत्या प्रयास की रिपोर्ट दी गई है। हमलावरों की तलाश जारी है।

इधर घटना से क्षुब्ध व्यापारियों ने सोमवार सुबह मंडी खुलने के साथ ही विरोध प्रदर्शन कर अपने प्रतिष्ठान बंद रखे। यहां पर एक कियोस्क के बाहर लगे अवैध टीन शेड को हटाया गया। बताया जाता है कि टीन शेड के नीचे असामाजिक तत्वों का भी जमावड़ा रहता था। मंडी परिसर में व्यापारियों के विरोध प्रदर्शन को देखते हुए वहां आरएसी को भी बुलाया गया। घटना को लेकर सीसीटीवी फुटेज भी वायरल हुए हैं। घायल के भाई न्यू सब्जी मंडी भदवासिया निवासी ताराचंद पुत्र भंवरलाल माली ने रिपोर्ट दी है। इसमें बताया कि उसका भाई त्रिलोक चंद रविवार की सुबह साढ़े 11 बजे में मंडी में सब्जी बेच रहा था। तब थबूकड़ा निवासी अशोक चौधरी और आरटीओ के पास रहने वाला प्रकाश फौजी अपने साथियों को लेकर आया। जान से मारने की नीयत से त्रिलोक पर लोहे के लगिया, सरिया, पाइप से हमला कर दिया, जिससे उनके सिर में चोट आई।

रिपोर्ट के अनुसार बुरी तरह की गई, मारपीट में त्रिलोक का एक पैर फ्रेक्चर होने के साथ सिर पर भी गहरी चोट लगी। त्रिलोक चंद ने बचने का प्रयास किया तो उसे आरोपियों ने भागते हुए घेरा और फिर ताबड़तोड़ हमला किया। उसे मरा समझ कर अपनी गाडिय़ों पर भाग गए।

मामले में जांच एसआई जसवंत सिंह की तरफ से की जा रही है। आरंभिक पड़ताल में पता लगा कि इनके बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हुई होगी। हमलावर सोमवार दोपहर तक हाथ नहीं लगे हैं।

एटीएम से छेड़छाड़

जोधपुर, (कासं)। शहर के माता का थान पुलिस थाना क्षेत्र भदवासिया में आए इंडियन बैंक के एक एटीएम में देर रात किसी शातिर ने चोरी की नीयत से छेड़छाड़ की। घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है।

जानकारी के अनुसार माता का थान पुलिस थाना क्षेत्र भदवासिया में इंडियन बैंक का एटीएम है। देर रात यहां पर एक शातिर एटीएम पर आया और चोरी का प्रयास किया। उसके द्वारा एटीएम से छेड़छाड़ की गई। जानकारी पर पुलिस ने मौका मुआयना किया।

विक्रम सिंह का स्वागत किया

पाली, (नि.सं.)। पाली बार एसोसिएशन की ओर से हाल ही मे सम्पन्न हुए चुनावो मे रावणा राजपूत समाज के युवा विक्रम सिंह भैसाणा के कोषाध्यक्ष निर्वाचित होने पर सोसायटी नगर स्थित समाज भवन मे समाजबंधुओ द्वारा माल्यार्पण कर स्वागत किया गया।

कार्यक्रम मे समाज के संरक्षक मूल सिंह भाटी ने कहा कि भैसाणा हमेशा निष्पक्ष व निर्भिक रहे है आगे भी वे तत्परता से कर्तव्य का पालन करेंगे। समाज जिलाध्यक्ष परमेन्द्र सिंह परिहार ने कहा कि भैसाणा आज के युवाओ के आदर्श है हमे उनसे काफी चीजे सीखने की जरूरत है। इस मौके पर रतन सिंह झाला, केशर सिंह मांगलिया, मीडिया प्रभारी विक्रम सिंह परिहार, बाबू सिंह परिहार,बंशी सिंह सिसोदिया,ढगल सिंह चौहान, राजेन्द्र सिंह पंवार,मेघ सिंह पंवार, तेज सिंह चौहान,शंकर सिंह मेडतिया,मोहब्बत सिंह, नारायण सिंह गहलोत, ओम सिंह सोढा, महेन्द्र सिंह भाटी, विक्रम सिंह भाटी, बलवंत सिंह बडगुजर सहित कई जने मौजूद रहे।

जैसलमेर में कोहरे के कारण स्कूल बस व बोलेरो कैंपर की भिड़ंत

जैसलमेर, (निसं)। जैसलमेर जिले में सोमवार सुबह घने कोहरे के कारण स्कूल बस और बोलेरो कैम्पर में टक्कर हो गई।

हादसा सुबह सदर थाना इलाके के जोधा गांव के पास तालाब के पास हुआ। इस हादसे में एसएम स्कूल के तीन बच्चों समेत 12 लोग घायल हो गए। टक्कर के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई। गंभीर रूप से घायल हुए 5 लोगों को प्राथमिक इलाज के बाद बेहतर इलाज के लिए तुरंत जोधपुर रेफर किया गया है।

हादसे की जानकारी पर सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और हादसे के कारणों की पड़ताल शुरू की। बोलेरो सवार शादी समारोह से लौट रहे थे वहीं स्कूल बस स्कूल जा रही थी, उसी दौरान घने कोहरे के कारण आपस में भिड़ंत हो गई।

सदर थाना प्रभारी प्रेमदान रतनू, के अनुसार, यह हादसा सोमवार सुबह के समय उस वक्त हुआ जब पूरे क्षेत्र में घना कोहरा छाया हुआ था और दृश्यता बेहद कम थी। बोलेरो कैम्पर, जो जोधा गांव से खुहड़ी गांव की ओर जा रही थी। बोलेरो में सवार लोग एक शादी समारोह से लौट रहे थे। वहीं सामने से आ रही एसएम पब्लिक स्कूल की बस से उसकी टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों वाहनों को भारी नुकसान पहुंचा और यात्रियों में चीख-पुकार मच गई।

हादसे के तुरंत बाद, मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों ने मानवीय संवेदनशीलता का परिचय देते हुए तत्काल राहत और बचाव कार्य शुरू किया। ग्रामीणों ने घायलों को निजी गाड़ियों की मदद से तुरंत जैसलमेर स्थित जवाहिर हॉस्पिटल पहुंचाया। जवाहिर हॉस्पिटल पहुंचते ही डॉक्टरों की टीम ने घायलों का इलाज शुरू कर दिया। घायलों में से 5 की हालत गंभीर देखते हुए, उन्हें प्राथमिक इलाज के बाद बेहतर इलाज लिए जोधपुर रेफर कर दिया गया। गनीमत यह रही कि समय पर हॉस्पिटल पहुंचने से सभी घायलों की जान बचाई जा सकी।

हादसे में घायल हुए लोगों में बोलेरो कैम्पर में सवार दुर्गा कंवर (50) निवासी खुहड़ी, 6 वर्षीय पूनम, भवानी कंवर (23), 10 वर्षीय सांग सिंह, 12 वर्षीय मालम कंवर, बिशन सिंह (20), 7 वर्षीय दक्षा, 12 वर्षीय अरुणा और चंदू कंवर (19) शामिल हैं। इसके अलावा, स्कूल बस में सवार तीन स्कूली बच्चे 15 वर्षीय यशपाल सिंह, 10 वर्षीय उपेंद्र सिंह और 13 वर्षीय ज्ञानवर्धन सिंह भी हादसे में घायल हुए हैं।

छह साल के मासूम से परिचित ने गंदी हरकत की

जोधपुर, (कासं)। जिला पूर्व में नागौरी गेट थाना क्षेत्र में एक युवक ने छह साल के मासूम बच्चें से गंदी हरकत की। उसके नाना की तरफ से पुलिस में पॉक्सो एक्ट में केस दर्ज कराया गया है। आरोपी हाथ नहीं लगा है। बच्चें का मेडिकल कराया गया है। घटना 10 दिसम्बर की बताई जाती है।

पुलिस ने बताया कि एक व्यक्ति ने रिपोर्ट दी कि उसके घर पर एक युवक का आना जाना है और वह परिचित है। मोहल्ले में ही रहता है। 10 दिसम्बर को वह उसके घर पर आया था। तब उसने उसके छह साल के दोहिते के साथ गंदी हरकत की। बाद में बच्चे ने इस बारे में परिवार को इसकी जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि रविवार को बच्चें के नाना थाने पर आए और केस दर्ज कराया।

कैडेटस लौटे

जालोर, (कासं)। स्थानीय वीर वीरमदेव राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जालोर के राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के कैडेट्स का दल दस दिवसीय वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में सहभागिता उपरांत महाविद्यालय लौटा। यह वार्षिक प्रशिक्षण शिविर 4 राज इंडेप कंपनी, सिरोही के तत्वावधान में माधव विश्वविद्यालय, आबूरोड (जिला सिरोही) में आयोजित किया गया। महाविद्यालय के एनसीसी प्रभारी किशोर कुमार ने शिविर के अंतर्गत कैडेट्स के लिए एक दिवसीय माउंट आबू ट्रेकिंग कार्यक्रम भी आयोजित किया गया।

आम सूचना छगन लाल पुत्र थानाजी माली, निवासी मण्डवारिया जिला सिरोही का एक आवासीय खरीदशुदा, कब्जाशुदा, मालिकाना हक का रहवासीय मकान प्लॉट संख्या 65 असल पट्टा संख्या 05(1982) कुल क्षेत्रफल 1350 वर्गफीट ग्राम मण्डवारिया में आया हुआ है, जिसका असल पट्टा संख्या 05(1982) ग्राम पंचायत मण्डवारिया द्वारा रूप सिंह पुत्र पन्ने सिंह राजपूत के पक्ष मे जारी किया गया तथा रूप सिंह ने उक्त सम्पूर्ण सम्पत्ति का बेचान दिनांक 13.09.1982 को रावतमल पुत्र नवाजी पुरोहित निवासी मण्डवारिया को कर दिया जिसका पंजीयन उप पंजीयक कार्यालय सिरोही में क्रम संख्या 491/1982 पर किया गया एवं रावतमल ने उपरोक्त सम्पूर्ण भूखण्ड का असल बेचाननामा छगनलाल के पक्ष में दिनांक 30.12.1997 को निष्पादित कर पंजीयन उप पंजीयक कार्यालय सिरोही में क्रम संख्या 1191/97 पर पंजीबद्ध किया गया। उपरोक्त दस्तावेज श्रखंला में से असल पट्टा संख्या 05(1982) एवं असल बेचाननामा दिनांक 13.09.1982 दस्तावेज क्रम संख्या 491/1982 छगनलाल से कहीं गुम हो गया जिसकी गुमशुदगी संख्या 2986729/2025 दिनांक 13.12.2025 को पुलिस विभाग में दर्ज करवा दी गई है। उपरोक्त संपति पर इण्डिया शेल्टर फायनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड शाखा सिरोही से छगनलाल द्वारा ऋण लिया जाना प्रस्तावित है। अतः जरिए इस हर आम व खास के सूचित किया जाता है कि यदि असल पट्टा संख्या 05(1982) एवं असल बेचाननामा दिनांक 13.09.1982 दस्तावेज क्रम संख्या 491/1982 के किसी को प्राप्त होते हैं तो उसे अधोहस्ताक्षरकर्ता को लौटाने का श्रम करावें तथा यदि उपरोक्त संपति के संबंध में किसी व्यक्ति विशेष को कोई आपत्ति वगैरह हो तो उसे भी अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष तीन दिन के भीतर दर्ज करावें। अन्यथा बाद म्याद गुजरने कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी एवं संबंधित कार्यवाही की जायेगी सो सूचित रहे।

ईति दिनांक-14.12.2025 **अभिनव सुथार, अधिवक्ता आर/1443/2005, वर्धमान कॉलोनी, आहोर, तहसील आहोर, जिला, जालोर, (राज.) मो.नं. 9799152119**

जालेरा खुर्द में नेत्र रोग शिविर में 262 लोगों की जांच

रानीवाड़ा, (नि.सं.)। उपखंड क्षेत्र के जालेरा खुर्द में सोमवार को सेवा और समर्पण की अनूठी मिसाल देखने को मिली। यहां स्थित राजकीय बालिका उच्च प्राथमिक विद्यालय में आयोजित विशाल नि:शुल्क नेत्र रोग जांच शिविर में 262 ग्रामीणों की आंखों की जांच कर उन्हें परामर्श दिया गया।

यह शिविर श्री आदिनाथ फतेह ग्लोबल आई हॉस्पिटल, जिला अंधता निवारण समिति जालोर, शिव सांई सेवा समिति, रोटरी ग्राम दल आरसीसी मालवाड़ा और गर्ग समाज विकास संस्थान राजस्थान के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। शिविर में मुख्य सहयोगी के रूप में गर्ग समाज के प्रदेश संगठन मंत्री दिनेश कुमार गर्ग (भारत एंटरप्राइजेज) के परिवार ने अहम भूमिका निभाई।

महर्षि गर्गाचार्य के समक्ष दीप प्रज्वलन से शुभारंभ

शिविर का विधिवत शुभारंभ महर्षि गर्गाचार्य की तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाज सेवी मीठालाल गर्ग, भंवरलाल गर्ग और उकाराम गर्ग रहे। अध्यक्षता नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. नेहा वागेला, भाजपा एससी मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष दिनेश कुमार गर्ग और समाज सेवी मंगलसिंह दहिया ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में ग्लोबल हॉस्पिटल के प्रवीण सिदल, पीईईओ दिनेश कुमार विश्नोई, प्रधानाध्यापक नवाराम देवासी सहित कई जने उपस्थित रहे।

शिविर आयोजक शिव सांई सेवा समिति के अध्यक्ष मुकेश कुमार खण्डेलवाल ने बताया कि शिविर में ग्लोबल अस्पताल नेत्र संस्थान आबूरोड की विशेषज्ञ टीम ने सेवाएं दीं। डॉ. नेहा वागेला के नेतृत्व में प्रवीण सिंदल, मेघा गोस्वामी, विष्णु जीनगर, रामलाल, हेमन्त कुमावत और हेमराज सिंह की टीम ने अत्याधुनिक मशीनों से 262 मरीजों की जांच की। जरूरतमंद रोगियों को नि:शुल्क आई ड्रॉप्स वितरित की गईं। जिन मरीजों में मोतियाबिंद की पुष्टि हुई, उन्हें ग्लोबल आई हॉस्पिटल आबूरोड ले जाया गया, जहाँ फेको पद्धित (बिना चीरा) से उनका नि:शुल्क ऑपरेशन किया जाएगा। मरीजों के आने-जाने की व्यवस्था भी नि:शुल्क रखी गई है।

नेत्र ज्योति जीवन का आधार : गर्ग

मुख्य अतिथि मीठालाल गर्ग ने अपने उद्बोधन में कहा कि मानव जीवन में आंखों की रोशनी का होना अनिवार्य है, तभी हम जीवन का आनंद ले सकते हैं। उन्होंने कहा कि परहित और सेवा कार्य ही सच्ची प्रभु भक्ति है। डॉ. नेहा वागेला ने ग्रामीण क्षेत्रों में इस तरह के शिविरों को अंधकार से उजाले की ओर ले जाने वाला भागीरथी प्रयास बताया।

सरकारी योजनाओं की दी जानकारी

भाजपा एससी मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष दिनेश गर्ग ने राजस्थान सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा चिकित्सा क्षेत्र में चलाई जा रही जन-कल्याणकारी योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी।

कार्यक्रम के अंत में भामाशाह दिनेश कुमार गर्ग परिवार द्वारा मेडिकल टीम को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पूर्व सरपंच कर्मीराम देवासी, पूनमाराम देवासी, अशोक कुमार गर्ग, भीखाराम चौधरी, गोदाराम चौधरी, लक्ष्मण गर्ग, योग शिक्षक मोहनलाल सुथार, नरपत वागेला, शैलेंद्र शर्मा, सतीश गर्ग और प्राची खण्डेलवाल सहित ग्रामीण और समाज सेवी उपस्थित थे।

राज्य सरकार वंचित वर्ग के उत्थान कर रही : गर्ग

जालोर, (कासं)। राज्य सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में ज़िले में आयोजित किए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों की श्रृंखला में सोमवार को शाह पूंजाजी गेनाजी स्टेडियम जालोर में सोमवार को सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के तत्वावधान में विशेष योग्यजन स्कूटी एवं नि:शुल्क उपकरण वितरण समारोह कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राजस्थान विधानसभा के मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने कहा कि राज्य सरकार सर्वजन हिताय-सर्वजन सुखाय के मूल मंत्र को आत्मसात् करते हुए वंचित वर्ग के लोगों के उत्थान हेतु निरंतर कार्य कर रही हैं। उन्होंने कहा कि विगत दो वर्षों में राज्य के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार ने विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं एवं गतिविधियों के माध्यम से आमजन के जीवन को सुगम बनाया हैं। उन्होंने कहा कि आगामी तीन वर्षों में राज्य सरकार पंक्ति के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति को सशक्त बनाने हेतु कार्य करेगी। वही राजस्थान विधानसभा के मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने स्टेडियम परिसर में मुख्यमंत्री दिव्यांग स्कूटी योजना के अंतर्गत कुल 60 दिव्यांगजन को थ्री-व्हीलर स्कूटी व अन्य सहायक उपकरणों का वितरण किया। इस अवसर पर दिव्यांगजनों ने स्कूटी मिलने की खुशी में राज्य सरकार का आभार जताया।

जसराज राजपुरोहित, गजेंद्र सिसोदिया, रवि सोलंकी, मुकेश राजपुरोहित, दिनेश महावर, सुरेश सोलंकी, उत्तम गर्ग, नाथू सिंह तीखी, भंवर सिंह आंवलोज, हीराराम देवासी, कैलाश कुमार, दिलीप कुमार, सुनील कुमार, राणाराम, दलपत, दिनेश कुमार, महेश कुमार, नितेश कुमार, लक्ष्मण सिंह, हीरालाल, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के उप निदेशक भगवानाराम चौधरी आदि उपस्थित रहे।

प्रदर्शनी आज

16 दिसम्बर को प्रात: 10.30 बजे राजस्थान विधानसभा के मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग द्वारा नगर परिषद सभागार जालोर में 3 दिवसीय विकास प्रदर्शनी का शुभारम्भ व जिला विकास पुस्तिका का विमोचन किया जायेगा। कलैक्टर डॉ. प्रदीप के. गावंडे ने बताया कि विकास प्रदर्शनी में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के गत दो वर्षों में हुए विकास कार्यों व उपलब्धियों को दिखाया जायेगा।

कार्यालय जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर

"शहरी समस्या समाधान शिविर-2025"

आप सभी सादर आमंत्रित है।

दिनांक 16 दिसम्बर, 2025 से 24 दिसम्बर, 2025 तक (दिनांक 21.12.2025 रविवार को छोड़कर)

दिनांक	जोन	ग्राम पंचायत / ग्राम का नाम
16-12-2025	1 से 6	जोन 1,2,3,4,5 एवं 6 का सम्पूर्ण जोन क्षेत्र
17-12-2025	01	नान्दड़ी, नान्दड़ा कलां, उचियारड़ा, नान्दड़ा खुर्द, बासनी बैन्दा, कांकेलाव, जालैली चम्पावता
	02	झालामण्ड, विनायकिया, धींगाणा, राजनगर एवं विवेक विहार योजना
	03	सांगरिया
	04	चौखा, चौपासनी (नगर निगम क्षेत्रों को छोड़कर)
	05	बागा, केरू, बैरू
	06	खोखरिया एवं गुजरावास खुर्द
18-12-2025	01	डिगाड़ी, जाजीवाल विश्नाईयां, सोढ़ेर की ढ़ाणी, बावरला, दांतीवाड़ा, बासनी चारणा, बिसलपुर
	02	ढण्ढ, खाराबेरा, खेजड़ली, पेशावास एवं विवेक विहार योजना
	03	पाल, धिनाणा की ढ़ाणी
	04	बोरानाड़ा (ग्राम गंगाणा)
	05	बिंजवाडीया, मथानिया, भैसेर कोटवाली
	06	मण्डोर
19-12-2025	01	बनाड़, मोरटूका, पिथावास, जाटियावास, डोलिया, अलकदड़ा
	02	कुड़ी भगतासनी, धांधिया, किशनपुरा, कांकाणी एवं विवेक विहार योजना
	03	सर, सरेचा, सिनली, खारडा भाण्डू, हमीर नगर
	04	नारनाडी, धवां प्रथम
	05	चौपासनी चारणान्, रामपुरा भाटियान, माणकलाव
	06	बासनी तम्बोलिया एवं बासनी मालियान
20-12-2025	01	श्रीयादे गांव, बावरला, जालेली फौजदारा बासनी निकुम्बा
	02	बासनी चौहाना, राजेश्वर नगर, शिकारपुरा, डोली कांकाणी एवं विवेक विहार योजना
	03	भाण्डू खुर्द, लूणावास कलां
	04	लोरडी देजगरा, जोलियाली, जानादेसर
	05	पोपावास, जोलियाली, भाटेलाई
	06	पूंजला
22-12-2025	01	डिगाड़ी, जाजीवाल विश्नाईयां, सोढ़ेर की ढ़ाणी, बावरला, आकथली, दांतीवाड़ा, बासनी चारणा, बिसलपुर
	02	बासनी बाघेला, भाकरासनी, देव नगर, राजपुरिया, श्री राजेश्वर नगर, सेवालानगर एवं विवेक विहार योजना
	03	रोहिचा कलां, रोहिचा खुर्द, फिंच
	04	झंवर, चिचड़ली
	05	नारवा, इन्द्रोका, तिंवरी
	06	भदवासिया एवं जोधपुर
23-12-2025	01	नान्दड़ी, नान्दड़ा कलां, उचियारड़ा, नान्दड़ा खुर्द, बासनी बैन्दा, कांकेलाव, जालैली चम्पावतां
	02	झालामण्ड, मोगड़ाकलां, मोगड़ाखुर्द, बाणियावास एवं विवेक विहार योजना
	03	सालावास तनावड़ा, नन्दवान
	04	लूणावास कलां, आगोलाई (केवल ग्राम टिकमगढ़), भाटेलाई पुरोहितान, (केवल ग्राम भा. पुरोहितान, भा. चारणान एवं मुण्डसर)
	05	बालरवा, मालूंगा, आगोलाई
	06	चैनपुरा
24-12-2025	01	बनाड़, मोरटूका, पिथावास, जाटियावास, डोलिया, कुकण्डा, देवलिया, अलकदड़ा
	02	ढण्ढ, गुड़ाविश्नोईयां, मोडी जोशियां, पेशावास, मोडी सोधरा, श्री जम्भेश्वर नगर एवं विवेक विहार योजना
	03	बोरानाड़ा, हीर खेड़ा सतलाना, कालीजाल
	04	भाण्डू कलां (केवल ग्राम जाटियासनी, रोहिला भांडू, कटारडा), धवां प्रथम
	05	बावरली, सन्तोडा खुर्द, चौखा
	06	दईजर

नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन विभाग, राजस्थान, जयपुर के आदेशों के अंतर्गत 'शहरी समस्या समाधान शिविर-2025' में 'शहरी सेवा शिविर-2025' के तहत् दी गई छूट/शिथिलताएं यथावत् रहेंगी।

सभी शिविर कार्यालय जोधपुर विकास प्राधिकरण जोधपुर में प्रात: 10:00 बजे से सांय 05:00 बजे तक आयोजित होंगें।

प्रदेश को मिली नई पहचान
प्रगति के पथ पर राजस्थान

श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री, राजस्थान

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

महिलाओं को शक्ति, बालिकाओं को प्रोत्साहन

- रसोई गैस सब्सिडी योजना में गरीब परिवार की महिलाओं को घरेलू गैस सिलेण्डर 450 रुपए में उपलब्ध, 867 करोड़ रुपए की सब्सिडी
- कृषि अध्ययन हेतु 58,397 छात्राओं को 103 करोड़ रुपए की प्रोत्साहन राशि
- लाडो प्रोत्साहन योजना में 1.50 लाख रुपए सेवा बॉण्ड से 4.60 लाख बालिकाओं को मिला लाभ
- 12 लाख महिलाएं बनी लखपति दीदी, नारी शक्ति उद्यम प्रोत्साहन योजना में 216 करोड़ रुपए के ऋण
- प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना में 9.92 लाख गर्भवती महिलाओं को 531 करोड़ रुपए की सहायता
- 1.22 करोड़ महिलाओं एवं बालिकाओं को प्रतिमाह 12 नि:शुल्क सैनेटरी नैपकिन
- 65 एन्टी रोमियो स्क्वॉड का गठन, 500 स्कूटियों से निगरानी
- तीन महिला बटालियनों के लिए 2,216 पद, 500 कालिका पेट्रोलिंग यूनिट का गठन
- 1.37 लाख स्वयं सहायता समूहों को 669 करोड़ रुपए आजीविका संवर्धन राशि, 2.21 लाख स्वयं सहायता समूहों को 5,271 करोड़ रुपए का ऋण
- महिला अपराधों में 12 प्रतिशत की कमी

युवा उम्मीदों को लगे पंख

- 92,000 से अधिक पदों पर नियुक्तियां, 1.53 लाख पदों पर नई भर्तियां
- एसआईटी गठन से डमी अभ्यर्थी, फर्जी डिग्री व भर्ती परीक्षा सम्बन्धी अन्य अनियमितताओं पर रोक
- 65 i-Start लॉन्चपैड नेस्ट स्थापित, 658 स्टार्टअप्स को 22.48 करोड़ रुपए की सहायता
- मुख्यमंत्री युवा संबल योजना में 4.13 लाख लाभार्थियों को 1,155 करोड़ रुपए का वितरण, 1.91 लाख युवाओं को इंटर्नशिप
- मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजना में 213 करोड़ रुपए से 31,127 विद्यार्थी लाभान्वित
- 3.37 लाख युवाओं को कौशल प्रशिक्षण, 410 रोजगार सहायता शिविरों में 1.11 लाख युवा लाभान्वित
- 1,754 खिलाडियों को 39.57 करोड़ रुपए की सहायता

अन्त्योदय का संकल्प

- खाद्य सुरक्षा योजना में 70 लाख नए नाम जोड़े
- घुमंतू, अर्ध घुमंतू एवं विमुक्त परिवारों को 22,323 पट्टे आवंटित
- सामाजिक सुरक्षा के तहत विभिन्न योजनाओं में 91.61 लाख लाभार्थियों को 25,851 करोड़ रुपए की पेंशन
- 7.22 लाख श्रमिकों को 806 करोड़ रुपए हस्तांतरित
- 17.41 लाख श्रमिक ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकृत
- 1,443 नए कारखाने पंजीकृत
- श्रमिकों की न्यूनतम मजदूरी 26 रुपए प्रतिदिन बढ़ाई
- पीएम स्वनिधि योजना में 87 हजार फेरी एवं ठेले वालों को सहायता
- प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अन्तर्गत 1.36 लाख एवं शहरी में 68,738 आवास कार्य पूर्ण
- विशेष योग्यजनों को 15 हजार कृत्रिम उपकरण एवं 3,030 स्कूटियों का वितरण

ऊर्जा क्रांति की ओर बढ़ता राजस्थान

- ऊर्जा उत्पादन को 28 प्रतिशत (6,839 मेगावाट) बढ़ाया
- ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में बिजली सेवाएँ सुदृढ़
- 33 केवी के 333 सब-स्टेशन स्थापित
- 9.19 लाख नए घरेलू बिजली कनेक्शन जारी
- 22 जिलों के 2-2 ब्लॉक में किसानों को दिन में बिजली
- ग्रीन एनर्जी ढांचा मजबूत करने हेतु 132 केवी एवं उच्च क्षमता के 45 GSS स्थापित
- राजस्थान सौर एवं अक्षय ऊर्जा क्षमता में देश में प्रथम स्थान पर
- पीएम सूर्य घर योजना में 1.05 लाख रूफटॉप सोलर संयंत्र स्थापित
- 20,000 करोड़ रुपए की लागत से 2,450 मेगावाट के सोलर पार्क विकसित
- 41 गीगावाट क्षमता वाली अक्षय ऊर्जा परियोजनाएँ
- पीएम-कुसुम योजना में 2,272 मेगावाट क्षमता के 1,019 प्रोजेक्ट स्थापित

सशक्त खेती, समृद्ध किसान

- किसान सम्मान निधि में 76.18 लाख किसानों को 10,432 करोड़ रुपए की सहायता, सहायता राशि 6,000 रुपए से बढ़ाकर 9,000 रुपए प्रतिवर्ष
- 44,355 करोड़ रुपए का ब्याज मुक्त अल्पकालीन फसली ऋण
- गोपाल क्रेडिट कार्ड योजना के अंतर्गत 84,604 परिवारों को 634 करोड़ रुपए का ब्याज मुक्त ऋण
- बिजली बिलों पर 44,558 करोड़ रुपए का अनुदान
- प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में 6,207 करोड़ रुपए के बीमा क्लेम जारी
- 2.66 लाख किसानों से 33.42 लाख टन गेहूँ की समर्थन मूल्य पर सरकारी खरीद, 471.16 करोड़ रुपए बोनस
- 5 लाख किसानों से 12.60 लाख मी. टन दलहन एवं तिलहन की समर्थन मूल्य खरीद पर 8,191 करोड़ रुपए का भुगतान
- 1.86 लाख नए कृषि विद्युत कनेक्शन, प्रतिदिन 260 नए कनेक्शन हो रहे
- पीएम कुसुम बी में 53,571 सोलर पम्प पर 822 करोड़ रुपए की सहायता

शिक्षा में नई उड़ान

- स्कूटी योजना में छात्राओं को 39,664 स्कूटियां वितरित
- 21 नए राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज
- 629 पीएमश्री बाल वाटिकाएं, 500 पीएमश्री विद्यालयों में डिजिटल लाइब्रेरी, 142 पीएमश्री विद्यालयों में ओ - लैब
- 4,010 विद्यालयों में 8,020 स्मार्ट क्लास
- विद्यार्थियों को यूनिफॉर्म व बैग हेतु 800 रुपए DBT, 41.25 लाख बच्चों को 330.06 करोड़ रुपए
- छात्राओं को 10.51 लाख साइकिलें, मेधावी विद्यार्थियों को 88,724 टैबलेट
- विभिन्न योजनाओं में 4.14 लाख छात्राओं को 181 करोड़ रुपए की आर्थिक सहायता

प्रदेश में बढ़ा निवेश

- ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट में 35 लाख करोड़ रुपए के एमओयू
- 8 लाख करोड़ रुपए के निवेश के कार्य प्रारम्भ
- खनन से रिकॉर्ड राजस्व 17,633 करोड़ रुपए
- हर 7 दिन में नया औद्योगिक क्षेत्र एवं हर दिन 7 औद्योगिक भूखंडों का आवंटन
- एमएसएमई, हस्तशिल्प और स्टार्टअप में 7,186 को 1,946.84 करोड़ रुपए वितरित
- राजस्थान एक्सपोर्ट प्रमोशन पॉलिसी 2024
- प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना में 21.73 लाख पंजीकरण, 2.14 लाख लाभार्थियों को प्रशिक्षण, 50,111 को ऋण
- 26 नवीन नीतियां जारी, 37 नए औद्योगिक क्षेत्र खोले
- पहली बार राजस्थानी प्रवासी दिवस का आयोजन
- मैंगनीज़, चूना पत्थर ग्रेफाइट, सीसा, जस्ता, तांबा, टंगस्टन, आर.ई.ई., क्रिटिकल एवं स्ट्रेटेजिक मिनरल की नीलामी

आंकड़े सच बोलते हैं

5 साल (2018-2023) बनाम 2 साल (2024 - नवम्बर, 2025)

	नहरी तंत्र से सृजित सिंचाई सुविधा	फार्म पौण्ड (खेत तलाई)	ओडीएफ प्लस गाँव	निर्मित नवीन सड़कों की लम्बाई	सड़कों से जोड़े गए गाँव	नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं हेतु आवंटित भूमि (हैक्टेयर)	बिजली उत्पादन क्षमता में वृद्धि (मेगावाट)	कुसुम A के तहत एलओए (मेगावाट)	कुसुम C के तहत एलओए (मेगावाट)
पहले	52,182	29,430	1,478	13,160	1,104	22,597	3,952	595	114
अब	84,592	35,368	41,000	16,430	1,698	98,894	6,839	5,318	5,287

	स्कूली विद्यार्थियों को टैबलेट / लेपटॉप वितरण	छात्राओं को स्कूटी वितरित	राजकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालयों की स्थापना	राजकीय महाविद्यालयों के भवन निर्माण	स्कूली विद्यार्थियों को साइकिल वितरण (लाख)	नवीन राजस्व ग्रामों का सृजन	सैटेलाइट अस्पताल की स्थापना	कौशल प्रशिक्षण (लाख)	गौशालाओं को सहायता राशि (करोड़ रुपए)
पहले	986	21,136	5	57	10.36	1,517	10	2.35	3,117
अब	88,724	39,664	21	178	10.51	2,281	14	3.37	3,433

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान

मैं एक बात साफ बताना चाहता हूं कि आप भरोसा रखिये , ये दोनों खिलाड़ी भारत के लिये विश्व कप में मैच जीतेंगे और इस सीरीज में भी ऐसा करेंगे। - अभिषेक शर्मा

भारतीय बल्लेबाज, गिल और कप्तान सूर्यकुमार यादव के खराब फॉर्म के बारे में पूछने पर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

अक्षर पटेल

धर्मशाला में खेले गए तीसरे टी-20 मुकाबले से बीमारी के कारण बार रहे ऑलराउंडर अक्षर पटेल बीमार होने के कारण बाकी बचे दो मैचों में भी नहीं खेल पाएंगे। तीसरे मुकाबले में टॉस के बाद इलेवन में उनका नाम न देखकर फैंस हैरान रह गए थे, लेकिन कप्तान सूर्यकुमार यादव ने बताया था कि अक्षर की तबियत ठीक नहीं है और इसी वजह से वह आखिरी दो वनडे मैचों में नहीं खेल पाएंगे। अक्षर पटेल भले ही सीरीज के बाकी मैचों से बाहर हो गए हों, लेकिन वह लखनऊ में टीम में साथ बने रहेंगे। यहीं आगे उनकी चिकित्सीय जांच की जाएगी।

क्या आप जानते हैं ?... ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान एरोन फिंच ने साल 2013 में 156 रन और 2018 में 172 रनों की दो बार सबसे बड़ी पारी खेली है।

अरुण जेटली स्टेडियम पहुंचे मैसी का हुआ भव्य स्वागत

नई दिल्ली, 15 दिसंबर। अरुण जेटली स्टेडियम पहुंचे अर्जेंटीना के दिग्गज लियोनल मेसी, रोड्रिगो डी पॉल और लुइस सुआरेज का यहां सोमवार को भव्य स्वागत हुआ।

जैसे ही फुटबॉल के दिग्गज मैदान पर उतरे, उन्होंने भारतीय खिलाड़ियों से हाथ मिलाकर और गर्मजोशी से मुस्कुराकर उनका अभिवादन किया। इस दौरान जोरदार तालियां बजीं, झंडे लहरा कर स्टेडियम में मौजूद प्रशंसकों ने उनका भव्य स्वागत किया गया। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अध्यक्ष जय शाह ने लियोनल मेसी को भारतीय क्रिकेट टीम की जर्सी नंबर-10 भेंट की है, इस नंबर की जर्सी कभी सचिन तेंदुलकर पहना करते थे। जर्सी पर मेसी का नाम लिखा हुआ था। जय शाह ने लुईस सुआरेज को जर्सी नंबर-9 और रोड्रिगो डि पॉल को जर्सी नंबर-7 दी। इस दौरान दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता भी वहां मौजूद थी। प्रत्यक्षदर्शीयों ने बताया कि उनके आने की सूचना के कुछ ही मिनटों में स्टेडियम में मौजूद भीड़ ने खुशी से मेसी, मेसी का शोर मचाना शुरू कर दिया। लियोनल मेसी ने फुटबॉल क्लीनिक के

दौरान युवा बच्चों को फुटबॉल की टिप्स दी है और उनके साथ गेंद से ड्रिब्लिंग भी की है।

इससे पहले, सेलिब्रिटी ऑल स्टार्स और मिनर्वा ऑल स्टार्स के बीच बहुप्रतीक्षित सेलिब्रिटी प्रदर्शनी मैच शुरू हो गया। प्रशंसक बेसब्री से मेसी के आने का इंतजार कर रहे थे, खराब मौसम के कारण मेसी के दिल्ली पहुंचने में देरी हुई। खराब मौसम के कारण दिल्ली आने वाली कई उड़ानें रद्द हो गई थीं।

प्रदर्शनी मैच के दौरान मिनर्वा ऑल स्टार्स ने शानदार शुरुआत की, जल्दी ही एक कॉर्नर हासिल किया और रक्षापंक्ति की गलती का फायदा उठाकर एक आसान टैप-इन गोल किया। मैदान पर पहुंचे मेसी ने वहां मौजूद खिलाड़ियों के साथ मैच का आनंद लिया और फोटो भी खिंचाई। इस दौरान उन्होंने स्टैंड्स में मौजूद प्रशंसक को फुटबॉल गिफ्ट में दिया।

मेसी का भारत दौरा 13 दिसंबर को शुरू हुआ था। पहले दिन उन्होंने कोलकाता और हैदराबाद का दौरा किया था। इसके बाद रविवार को मुंबई में बॉलीवुड स्टार अजय देवगन से मिले। वहां आयोजित एक कार्यक्रम में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने उनका स्वागत किया। वानखेड़े स्टेडियम में मेसी ने भारतीय फुटबॉल दिग्गज सुनील छेत्री और भारत रत्न से सम्मानित सचिन तेंदुलकर से बातचीत की। इस दौरान तेंदुलकर ने उन्हें जर्सी भेंट की।

इस बाद आज शाम वह नयी दिल्ली पहुंचें। दिल्ली मेसी के व्यस्त कार्यक्रम में एक प्रदर्शनी मैच, एक स्टेज परफॉर्मेंस, बच्चों के लिए एक फुटबॉल क्लिनिक और कई हाई-प्रोफाइल निजी बैठकें शामिल हैं। दिल्ली के अधिकारियों ने पहले ही प्रशंसकों की संभावित भीड़ के लिए यातायात व्यवस्था और एहतियाती पुलिसिंग उपायों की घोषणा कर दी है।

मोदी ने स्क्वैश विश्वकप जीतने पर भारतीय टीम को दी बधाई

नई दिल्ली, 15 दिसंबर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को एसडीएटी स्क्वैश विश्व कप 2025 में अपना पहला विश्व कप खिताब जीतकर इतिहास रचने वाली भारतीय स्क्वैश टीम को बधाई दी। सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में प्रधानमंत्री ने जोशना चिनप्पा, अभय सिंह, वेलवन सेंथिल कुमार और अनाहत सिंह की चौकड़ी की जबरदस्त लगन और दृढ़ संकल्प के लिए तारीफ करते हुए कहा कि उनकी सफलता ने पूरे देश को गौरवान्वित किया है। प्रधानमंत्री ने भारतीय खेल पर इस ऐतिहासिक उपलब्धि के व्यापक प्रभाव पर बल देते हुए कहा, "यह जीत हमारे युवाओं के बीच स्क्वैश की लोकप्रियता को भी बढ़ाएगी।" उल्लेखनीय है कि भारतीय टीम ने रविवार शाम चेन्नई में हुए फाइनल मुकाबले में हांगकांग को 3-0 से हराकर भारत ने पहली बार स्क्वैश विश्व कप जीता था। जोशना चिनप्पा ने दुनिया की 37वें नंबर की खिलाड़ी ली का यी को 3-1 से हराकर भारत को विजयी शुरुआत दी, जबकि भारत के शीर्ष रैंक वाले पुरुष स्क्वैश खिलाड़ी, दुनिया के 29वें नंबर के अभय सिंह ने एलेक्स लाउ को 3-0 से हराया। 17 साल की अनाहत सिंह ने टोमैटो हो को 3-0 से हराकर भारत के पक्ष में मैच खत्म किया।

शेफाली और साइमन नवंबर माह के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए

दुबई, 15 दिसंबर। भारतीय महिला टीम की खिलाड़ी शेफाली वर्मा और दक्षिण अफ्रीका के स्पिन गेंदबाज साइमन हार्मर को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए नवंबर माह का पुरुष और महिला वर्ग का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया है।

शेफाली को यह सम्मान पिछले महीने नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हुए महिला विश्व कप 2025 के फाइनल में मैच का रुख बदलने वाले शानदार प्रदर्शन पर मिला है। उन्होंने खिताबी मुकाबले में सलामी बल्लेबाज के रूप में 87 रनों की शानदार पारी खेलते हुए स्मृति मंधाना के साथ पहले विकेट के लिए 104 रनों की साझेदारी की। इसके बाद उन्होंने सून लुस और मेरिजान कैप के विकेट भी झटके थे।

नवंबर माह की सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी चुने जाने पर शेफाली ने कहा, "नवंबर के महीने के लिए सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी चुने जाने पर मैं सचमुच सम्मानित महसूस कर रही हूं। यह पुरस्कार मैं अपनी टीम के साथियों, कोचों, परिवार और उन सभी को समर्पित करती हूं जिन्होंने अब तक मेरी यात्रा में मेरा साथ दिया है। हम एक टीम के रूप में जीतते और हारते हैं, यही बात इस पुरस्कार के लिए भी लागू होती है।"

दाएं हाथ के स्पिनर हार्मर ने बंगलादेश के तैजुल इस्लाम और पाकिस्तान के ऑलराउंडर मोहम्मद नवाज को हराकर पहली बार यह प्रतिष्ठित पुरस्कार जीता। नवंबर माह का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने जाने पर हार्मर ने कहा, "नवंबर के लिए आईसीसी पुरुष प्लेयर ऑफ द मंथ चुना जाना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। अपने देश के लिए खेलना एक सपने के सच होने जैसा है और इसके नतीजे में जो कुछ भी मिलता है वह एक बोनस है।"

हार्मर ने कहा, "मैं यह अवॉर्ड अपने टीममेट्स, कोच और सपोर्ट स्टाफ के साथ साझा करता हूं और इसे अपने परिवार को डेडिकेट करता हूं, जो मुझे बाहर जाकर अपना सपना जीने देते हैं, अक्सर ऐसा करने के लिए मुझे उन्हें घर पर छोड़ना पड़ता है। प्रोटियाज टीम का हिस्सा होना मेरे लिए गर्व की बात है और मुझे उम्मीद है कि मैं इन शानदार लोगों के ग्रुप के साथ और भी कई सफल सीजन का आनंद लूंगा।"

हार्मर ने एक शानदार टेस्ट सीरीज के दम पर यह सम्मान हासिल किया। इस सीरीज में उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज भी चुना गया था। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका की टेस्ट मैच सीरीज में ऐतिहासिक 2-0 की जीत में अहम भूमिका निभाई। दक्षिण अफ्रीका ने वर्ष 2000 के बाद भारत में उनकी पहली टेस्ट सीरीज जीत थी। दो मैचों में, हार्मर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 17 विकेट लिए थे। इस जीत के साथ ही दक्षिण अफ्रीका को आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 की तालिका में दूसरे स्थान पर भी पहुंचा दिया।

इंग्लैंड ने एक बदलाव के साथ तीसरे एशेज टेस्ट के लिए टीम की घोषणा की

एडिलेड, 15 दिसंबर। इंग्लैंड ने एडिलेड ओवल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले एशेज टेस्ट के तीसरे मुकाबले के लिए एक बदलाव के साथ एकादश की पुष्टि कर दी है।अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अनुसार, मेहमान टीम ने अपनी टीम में एक बदलाव किया है, जिसमें गस एटकिंसन की जगह साथी तेज गेंदबाज जॉश टोंग को एकादश में शामिल किया गया है। बेन स्टोक्स टीम की कप्तानी करना जारी रखेंगे, जबकि विल जैक्स ने दूसरे टेस्ट के लिए शामिल किए जाने के बाद एकादश में अपनी जगह बनाए रखी है। टोंग का इस वर्ष जुलाई में द ओवल में भारत के खिलाफ आखिरी टेस्ट के बाद इंग्लैंड के लिए रेड-बॉल क्रिकेट में पहला मैच होगा। 28 वर्षीय तेज गेंदबाज ने अब तक खेले गए छह टेस्ट में 31 विकेट लिए हैं, जिनमें से पांच विकेट ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले है। इंग्लैंड फिलहाल एशेज सीरीज में 2-0 से पीछे है और वह बुधवार से एडिलेड में शुरू होने वाले मैच जीतकर सीरीज को जीवित रखने का लक्ष्य रखेगा। इंग्लैंड एकादश:- जैक क्रॉली, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, हैरी ब्रूक, बेन स्टोक्स (कप्तान), जेमी स्मिथ (विकेटकीपर), विल जैक्स, ब्रायडन कार्स, जोफ्रा आर्चर और जॉश टोंग।

मैं फॉर्म से बाहर नहीं हूं, लेकिन रन नहीं बन रहे है : सूर्यकुमार

धर्मशाला, 15 दिसंबर। भारतीय टी-20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने अपनी फॉर्म को लेकर कहा कि मैं नेट्स पर बहुत अच्छी बल्लेबाजी कर रहा हूं। जब रन आने होंगे, तब आएंगे। मैं फॉर्म से बाहर नहीं हूं। तीसरे टी-20 में दक्षिण अफ्रीका को कल रात सात विकेट से हराने के बाद संवाददाता सम्मेलन में सूर्यकुमार यादव, खेल आपको बहुत कुछ सिखाता है। आप कैसे वापसी करते हैं, यह अधिक महत्वपूर्ण है। पिछली मैच में हमने काफी कुछ सीखा था, और आज हमने वही किया। (खराब फार्म के बारे में) मैं नेट्स में बहुत अच्छी बल्लेबाजी कर रहा हूं। जब रन आने होंगे, तब आएंगे। मैं फॉर्म से बाहर नहीं हूं। यह अलग बात है कि रन नहीं आ रहे हैं। हम जीत का आनंद लेंगे, कल लखनऊ पहुंचने के बाद बैठेंगे और वहां से आगे की योजना बनाएंगे।

प्लेयर ऑफ द मैच अर्शदीप सिंह ने कहा, कुछ दिन ऐसे होते हैं जब आप सही तरह से अपनी योजना को नहीं निभा पाते हैं, वह पिछले मैच में हुआ था। आज मैं बेसिक्स पर टिका रहा और उसी से सफलता मिली। कुछ भी नहीं बदला, मैंने बस गेंद को सही एरिया में पिच किया और विकेट की मदद का इस्तेमाल किया। ठंड में सीम और स्विंग दोनों थी। (हेंड्रिक्स का रिव्यू) सूर्या भाई थोड़ा सस्पेंस चाहते थे, इसी लिए शायद उन्होंने रिव्यू लेने में मदद की। मुझे पता था कि पैड पर लगने के तुरंत बाद ही वह आउट था। मेरी भतीजी यहां है वह दस महीने की है, मैं यह पुरस्कार उसे समर्पित करना चाहता हूं।

वरुण चक्रवर्ती ने कहा, मुझे तो सच में इस मील के पत्थर (टी-20 में 50 विकेट) के बारे में पता नहीं था, मुझे बताने के लिए धन्यवाद। शुरुआत में जब तेज गेंदबाज गेंद डाल रहे थे तो थोड़ा मूवमेंट मिल रहा था, कुछ सीम मूवमेंट था। लेकिन कुल मिलाकर परिस्थितियां बहुत कठिन थीं। मैंने इतनी ठंड में कभी किसी मैदान पर नहीं खेला, इसलिए मुझे यह बेहद चुनौतीपूर्ण लगा। हमारी एक प्रॉपर बोलिंग मीटिंग हुई और बहुत ही ईमानदारी से बातचीत हुई। हमने पहचाना कि हमसे कहां गलती हुई और सही दृष्टिकोण पर ध्यान केंद्रित किया। इसका श्रेय मैनेजमेंट और गेंदबाजो को जाना चाहिए। यह एक दो-तरफा चर्चा थी और इसने सच में बहुत अच्छा काम किया। मैं बस अपनी ताकत पर टिके रहने का प्रयास कर रहा था।

सर्वश्रेष्ठ फीफा फुटबॉल पुरस्कार 2025 के विजेताओं की घोषणा आज

ज्यूरिख (स्विट्जरलैंड), 15 दिसंबर। द बेस्ट फीफा फुटबॉल पुरस्कार 2025 के विजेताओं की घोषणा कतर की राजधानी दोहा में आयोजित एक विशेष समारोह में मंगलवार को होगी। कल होने वाले इस समारोह का सीधा प्रसारण फीफाडॉटकॉम पर स्थानीय समय के अनुसार 20 बजे किया जाएगा। अहमद बिन अली स्टेडियम में पेरिस सेंट-जर्मेन और सीआर फ्लेमेंगो के बीच फीफा इंटरकॉन्टिनेंटल कप कतर 2025 के फाइनल की पूर्व संध्या पर, दोहा के फेयरमोंट कटारा हॉल में फीफा सेलिब्रेशन 2025 रात्रिभोज के दौरान इस वर्ष के दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों और कोचों के नामों की घोषणा की जायेगी। इस समारोह में फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो, फीफा परिषद के सदस्यों सहित 800 मेहमान शामिल होंगे। इससे पहले, फीफा प्लेटफॉर्म और सोशल मीडिया पर डिजिटल वीडियो में सर्वश्रेष्ठ प्रशंसकों, गोलकीपरों और गोलों की घोषणा तथा फीफा फेयर प्ले अवॉर्ड के विजेता का भी ऐलान किया जाएगा। हमेशा की तरह प्रशंसकों ने एक करोड़ 60 लाख से अधिक वोट देकर विजेताओं का चयन किया है। इसके तहत सर्वश्रेष्ठ फीफा महिला खिलाड़ी, सर्वश्रेष्ठ फीफा पुरुष खिलाड़ी, सर्वश्रेष्ठ फीफा महिला कोच, सर्वश्रेष्ठ फीफा पुरुष कोच, सर्वश्रेष्ठ फीफा महिला गोलकीपर और सर्वश्रेष्ठ फीफा पुरुष गोलकीपर के पुरस्कार शामिल हैं। इसके अलावा अन्य पुरस्कारों के लिए भी प्रशंसकों ने मतदान कर अन्य सर्वश्रेष्ठ वर्गों का चयन किया है।

सूर्यकुमार और गिल हमें विश्व कप में मैच जिताएंगे : अभिषेक

धर्मशाला 15 दिसंबर। सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा का मानना है कि कप्तान सूर्यकुमार यादव और उपकप्तान शुभमन गिल जल्द ही फॉर्म में वापसी करेंगे और अपनी पारियों से आगे वर्ष फरवरी में होने वाले विश्वकप में भारत को जीत दिलायेंगे।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ धर्मशाला में हुए तीसरे टी-20 एक बार फिर भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव (11 गेंद में 12 रन) और उपकप्तान शुभमन गिल (28 गेंद में 28 रन) बल्ले के साथ असफल रहने को लेकर अभिषेक ने मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा, मैं एक बात सीधे कह सकता हूं कि ये दोनों भारत को विश्व कप में मैच जिताने जा रहे हैं। उससे पहले अगले आने वाले मैचों में भी ये ऐसा करते हुए दिखेंगे। मैं इन दोनों खासकर शुभमन के साथ लंबे समय से खेलते आ रहा हूं, तो मुझे पता है कि ये क्या कर सकते हैं। मुझे गिल पर शुरुआत से ही भरोसा है और मुझे उम्मीद है कि आप सब लोग जल्द ही उससे एक बड़ी पारी देखेंगे। इस मैच में जसप्रीत बुमराह की अनुपस्थिति में हर्षित राणा ने अर्शदीप सिंह के साथ मिलकर भारत को बेहतरीन शुरुआत दी और सातवें ओवर तक उनके चार बल्लेबाज़ सिर्फ़ 30 के स्कोर पर पवेलियन में थे। दोनों ने आपस में मिलकर 2-2 विकेट बांटे और इसके बाद स्पिनरों और तेज गेंदबाजी ऑलराउंडरों ने मोर्चा संभाल लिया। वरुण चक्रवर्ती और कुलदीप यादव ने 2-2 विकेट झटके तो हार्दिक पंड्या और शिवम् दुबे ने भी अनुशासित गेंदबाजी करते हुए 1-1 विकेट लिए। दक्षिण अफ्रीका की टीम निर्धारित 20 ओवरों में मात्र 120 रन ही बना सकी। अभिषेक ने भी भारतीय तेज गेंदबाजो की तारीफ करते हुए कहा कि तेज गेंदबाजो ने शुरुआती परिस्थितियों का पूरा फायदा उठाया, जिससे उनकी टीम शुरुआत में ही मैच में आगे हो गई थी। उन्होंने कहा, जिस तरह से उन्होंने हमें शुरुआत दी, मुझे लगा कि मैच वहीं समाप्त हो गया था।

राज्य स्तरीय अंडर-14 एकदिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता शुरु

जयपुर, 15 दिसंबर। मध्य क्षेत्र अंडर 14 क्रिकेट प्रतियोगिता में भाग लेने वाली राजस्थान टीम के संभावितों के चयन हेतु आरसीए के तत्वाधान में आज दिनांक 15 दिसंबर से जोधपुर में राज्य स्तरीय अंडर 14 एक दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता का आरम्भ हुआ व मैच का परिणाम :-

बांसवाड़ा - बूंदी मैच (बूंदी जीती)

बांसवाड़ा पारी 136 आल आउट

टीम के लिए रिषील दोसी 31 रन

बूंदी के गेंदबाज समर सिंह 28 / 3, चिराग चौधरी 43 / 3 व मो मोईन 8 / 2 विकेट, बूंदी पारी 137 / 6

टीम के लिए अक्षत 39, कौशलेन्द्र टेकड़ीवाल 39 रन

बांसवाड़ा के गेंदबाज रिषील दोसी 19 / 2 व आदित्यराज 21 / 2 विकेट

बीसीसीआई अंडर 19 वीमेन एकदिवसीय ट्रॉफी (राजस्थान - गुजरात मैच) गुजरात जीती

गुजरात पारी 282 / 8, टीम के लिए चार्ली सोलंकी 110, जिया जैन 67 रन

राजस्थान की गेंदबाज एंजेल चौधरी 43 / 3, प्रीति कसाना 41 / 2, तनिका शर्मा, मैना सियोल 1 - 1 विकेट।

राजस्थान पारी 259 आल आउट

टीम के लिए मैना सियोल 61, प्रतीक्षा सिंह 34, एंजेल चौधरी 28, अंशु 28, हैप्पी कुमारी 23 व तनिका शर्मा 20 रन

गुजरात की गेंदबाज यशस्वी 51 / 5 विकेट।

सैयद मुश्ताक अली टी 20 ट्रॉफी टीम

पुणे में खेली जा रही बीसीसीआई सीनियर सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी (सुपर लीग) के आगामी मैच के लिए मोहित चांगरा व हेमंत कुमार का चयन राजस्थान सीनियर टीम में किया गया है।

अंडर-17 राजस्थान बॉयज फुटबॉल लीग ब्रदर्स यूनाइटेड विजेता रहा

जयपुर, 15 दिसंबर। राजस्थान फुटबॉल संघ के तत्वाधान में कॉलेज गाडोता जयपुर के फुटबॉल मैदान पर रविवार को अंडर - 17 राजस्थान बॉयज फुटबॉल लीग 2025 का समापन समारोह हुआ। लीग में फुटबॉल क्लब ब्रदर्स यूनाइटेड लीग के विजेता व एलिट फुटबॉल क्लब रनर अप रहा। लीग मे सात टीमों के कुल 42 मैच हुए। फुटबॉल क्लब ब्रदर्स यूनाइटेड लीग के सारे मैच जीत कर लीग विजेता रही।

मैच के बाद पुरस्कार वितरण समारोह हुआ जिसमे विजेता और उपविजेता टीम के खिलाडियों को ट्रॉफी और मैडल वितरण किये गए। समारोह के मुख्य अतिथि जितेन्द्र सिंह पचार (पचार ग्रुप) विशिष्ट अतिथि दिलीप सिंह शेखावत सचिव राजस्थान फुटबॉल संघ थे अथिति के रूप मे सुरेंद्र जी चारण, मानवेन्द्र सिंह (सचिव जिला फुटबॉल संघ अलवर) गुरमीत मान (अध्यक्ष जिला फुटबॉल संघ धौलपुर) राजेंद्र जी जायसवाल (चेयरमैन सेंट मदर टेरेसा सिटी स्कूल गाडोता) उपस्थित रहे।

समारोह मे खिलाड़ियों को व्यक्तिगत पुरस्कार इस प्रकार दिये गये।

1.बेस्ट गोलकीपर -ऋषित (जयपुर फुटसाल)

2.बेस्ट डिफेंडर - जतिन (जयपुर एलीट)

3.बेस्ट मिडफील्डर - प्रत्यक्ष

4.टॉप स्कोरर - अनिल

5.ईमेर्जिंग प्लेयर्स - अभिषेक(जोधपुर अकादमी)

जिला क्रिकेट संघ दौसा : क्रिकेट अंडर-14 टीम घोषित

जयपुर, 15 दिसम्बर। राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वाधान में जिला क्रिकेट संघ दौसा की अंडर 14 की टीम घोषणा की गई। जिला क्रिकेट संघ के सचिव श्री ब्रजकिशोर उपाध्याय ने बताया कि जिले की अंडर 14 टीम का चयन पूर्ण पारदर्शिता से किया गया है। टीम के चयन हेतु लगभग 6 प्रेक्टिस मैच राजेश पायलट ग्राउंड पर कराए गए है उन मैचों की परफॉर्मेंस के आधार पर टीम को चुना गया है। दौसा की टीम दिनांक 17.12.2025 से उदयपुर में टूर्नामेंट का पहला मुकाबला टोंक से, दूसरा मुकाबला 18-12-2025 को उदयपुर से और 19.12.2025 को तीसरा मुकाबला भीलवाड़ा से होगा। जिले की टीम निम्न प्रकार है।

प्रतुल शर्मा (कप्तान), राहुल बैरवा, क्यांश देरवाल, निखिल सैनी, विकाश छावड़ी, शुभम शर्मा, गौरव चौधरी, यथार्थ शर्मा, शिवांश स्वामी, हुनर जांगिड, आयुष्मान पाराशर, अर्जुन प्रताप सिंह (उपकप्तान), परीक्षित शर्मा, हिमांशु गुर्जर, देवराज सिंह, महिपाल शर्मा, अरमान नकवाल, हर्षवर्धन डोई, मोहित डोबवाल।

सचिव बृज किशोर उपाध्याय ने बताया गया कि हमने पिछले वर्ष की भांति इस वर्ष भी अपने ही जिले के खिलाड़ियों को टीम में खेलने का अवसर दिया है। एक भी खिलाड़ी दौसा जिले से बाहर का नहीं लिया गया है।

टीम के सभी खिलाड़ियों को डीसीए द्वारा किट और दौसा चीतल की ड्रेस प्रदान की गई। टीम के कोच, सुखराम गुर्जर और मैनेजर प्रेम सिंह होंगे। डीसीए के विनय जैन, लक्ष्मण सिंह गुर्जर, रामकेश शर्मा, एडवोकेट यतेश कुमार आदि ने टीम को अग्रिम बधाई शुभकामनाएं देकर उदयपुर के लिए रवाना किया।

ओ एन दीक्षित मेमोरियल जिला बैडमिंटन 23 से

जयपुर, 15 दिसंबर। जिला बैडमिंटन संघ द्वारा ओ एन दीक्षित मेमोरियल विंटर जयपुर जिला ओपन बैडमिंटन चैंपियनशिप व वेटरन सिलेक्शन ट्रायल की प्रेस कॉन्फ्रेंस आज संपन्न हुई। इस मौके पर रिटायर्ड चीफ जस्टिस एनके जैन, एस एन दीक्षित व प्रधान आयकर निदेशक अन्वेषण अवधेश कुमार तथा ओ एन दीक्षित के पुत्र पंकज दीक्षित उपस्थित थे। एस एन दीक्षित ने स्वर्गीय ओ एन दीक्षित की संक्षेप में जीवनी बताई। उन्होंने कहा वह खिलाड़ियों की सहायता के लिए सदा आगे रहते थे वह स्वयं एक अच्छे बैडमिंटन व टेनिस प्लेयर थे।

इस मौके पर उनके दामाद अवधेश कुमार प्रधान आयकर निदेशक अन्वेषण व पुत्र पंकज दीक्षित ने बताया यह ओ एन दिक्षित मेमोरियल बैडमिंटन का तीसरा संस्करण है। इस मौके पर जिला सचिव मनोज दासोत ने

बताया की प्रतियोगिता 23 दिसंबर से 28 दिसंबर तक खेली जाएगी। प्रतियोगिता में लगभग 500 खिलाड़ी भाग लेंगे । प्रतियोगिताअंतरराष्ट्रीय मानकों के हिसाब से खेली जाएगी तथा जिला संघ के पैटर्न राजीव नागौरी के अनुसार खिलाड़ियों को हर प्रकार की सुविधा दी जाएगी।

उन्होंने बताया एंट्री देने की अंतिम तिथि 21 दिसंबर शाम 5:00 बजे तक है। प्रतियोगिता रेफरी के के माथुर होंगे कोषाध्यक्ष अतुल गुप्ता ने बताया कि प्रतियोगिता बालक बालिका वर्ग में 11 से लेकर वेटरन 75 वर्ष तक की आयु के खिलाड़ी खेल सकेंगे। जिसमें एकल, युगल व मिक्स युगल की प्रतियोगिता खेली जायेगी। प्रतियोगिता सवाई मानसिंह स्टेडियम के इंडोर बैडमिंटन हॉल में खेली जायेंगी। प्रतियोगिता के चीफ कंट्रोलर पंकज सैनी होंगे। खिलाड़ी अपनी एंट्री सवाई मानसिंह इनडोर बैडमिंटन हॉल तथा विभिन्न अकादमी में दे सकेंगे। इस मौके पर जिला बैडमिंटन संघ की उपाध्यक्ष अलका बत्रा, रितु लोहिया तथा रेफरी जगदीश खत्री , विकास माथुर , विजय सिंह, विकास जैन, पराग लश्करी ,संजय भार्गव,वीरेंद्र भार्गव, हेमेंद्र शर्मा, रामबल राठौर, राजेंद्र पाटती, गौरव जैन उपस्थित रहे।

छठे ब्रिटिश पोलो डे 2025 का आयोजन आज

जयपुर, 15 दिसंबर। राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड में मंगलवार, 16 दिसंबर को छठे ब्रिटिश पोलो डे 2025 का भव्य आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम की शुरुआत दोपहर 2 बजे गेट खुलने के साथ होगी। दोपहर 2.25 बजे उद्घाटन समारोह आयोजित किया जाएगा, जिसके तुरंत बाद दोपहर 2.30 बजे पहला रोमांचक मुकाबला टीम बीपीडी (ब्रिटिश पोलो डे) और जयपुर के बीच खेला जाएगा। दोपहर 3.45 बजे टीम प्रेज़ेंटेशन होगा। इसके पश्चात बीपीडी और जयपुर के बीच दूसरा मुकाबला खेला जाएगा। कार्यक्रम का समापन शाम 5.15 बजे पुरस्कार वितरण समारोह के साथ होगा। गौरतलब है कि कोविड के कारण वर्ष 2019 के बाद यह आयोजन इस वर्ष पुन: आयोजित किया जा रहा है।

आईओसीएल बनी 29वें पीएसपीबी इंटर-यूनिट सीनियर टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट 2025-26 की चैम्पियन

जयपुर, 15 दिसंबर। 29वें पीएसपीबी इंटर-यूनिट सीनियर टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट 2025-26 का समापन रविवार को रोमांचक फाइनल मुकाबले और पुरस्कार वितरण समारोह के साथ हुआ। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने फाइनल में ऑयल इंडिया लिमिटेड को 7 विकेट से हराकर चैंपियनशिप ट्रॉफी अपने नाम की।

फाइनल मुकाबले में ऑयल इंडिया लिमिटेड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाज़ी करने का फैसला किया, लेकिन टीम 19.5 ओवरों में 102 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। लक्ष्य का पीछा करते हुए आईओसीएल ने शानदार प्रदर्शन किया और 13.5 ओवरों में 3 विकेट खोकर 107 रन बनाते हुए खिताब पर कब्जा जमाया। आईओसीएल के राजेश पवार को उनके प्रभावशाली प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया।

इससे पहले खेले गए तीसरे स्थान के मुकाबले में भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन

लिमिटेड (बीपीसीएल) ने हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) को हराकर ब्रॉन्ज मेडल जीता। बीपीसीएल ने पहले बल्लेबाज़ी करते हुए 15 ओवरों में 2 विकेट के नुकसान पर 167 रन बनाए। जवाब में एचपीसीएल की टीम 15 ओवरों में 1 विकेट के नुकसान पर 104 रन ही बना सकी। इस मैच में बीपीसीएल के संग्राम सावंत को 'मैन ऑफ द मैच' घोषित किया गया।

भीलवाड़ा में ग्यारह लाख रुपये की रिश्वत लेते डॉक्टर गिरफ्तार

मुख्यमंत्री आयुष्मान योजना के बिल पास करने की एवज में डॉक्टर ने रिश्वत मांगी थी

भीलवाड़ा/जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की भीलवाड़ा-द्वितीय टीम ने सोमवार को केशव पोरवाल हॉस्पिटल भीलवाड़ा के मेडिकल ऑफिसर डॉ. पंकज छीपा को ग्यारह लाख रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया। यह रिश्वत मुख्यमंत्री आयुष्मान योजना का बिल पास करने की एवज मांगी गई थी।

- **डॉक्टर को दो लाख भारतीय चलन मुद्रा के असल नोट एवं नौ लाख के डमी नोट की रिश्वत राशि (कुल 11 लाख रुपये) लेते गिरफ्तार किया**

आरोपी डॉक्टर।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो पुलिस महानिदेशक गोविन्द गुप्ता ने बताया कि एसीबी भीलवाड़ा-द्वितीय को परिवादी ने शिकायत दी कि उसके अस्पताल (श्री सिद्धी विनायक हॉस्पिटल भीलवाड़ा) के मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना के बिलों को नोटिस नहीं देने व अनियमितता सैटल करने व बिल पास करने की एवज में मेडिकल ऑफिसर डॉ. पंकज छीपा द्वारा रिश्वत मांगी जा रही है। जिसके बाद परिवादी को आरोपी डॉ. पंकज छीपा के पास भेजकर नियमानुसार रिश्वत राशि मांग का सत्यापन करवाया गया तो आरोपी द्वारा 9.50 लाख रुपये डॉ. कुलदीप (सीनियर डॉक्टर) के लिये एंव 1.50 लाख रुपये स्वयं के लिए रिश्वत की मांग की गई।

जिस पर एसीबी भीलवाड़ा-द्वितीय पुलिस निरीक्षक के नेतृत्व में ट्रेप की कार्रवाई करते हुए मेडिकल ऑफिसर डॉ. पंकज छीपा को मांग के अनुसरण में 2 लाख भारतीय चलन मुद्रा के असल नोट एवं 9 लाख के डमी नोट की रिश्वत राशि (कुल 11 लाख रुपये) लेते गिरफ्तार किया गया।

बीकानेर में टैक्स असिस्टेंट रिश्वत लेते गिरफ्तार

बीकानेर, (निसं)। टैक्स असिस्टेंट को 50 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए एसीबी की टीम ने सोमवार को गिरफ्तार किया है। ये कार्रवाई सोमवार को स्टेट जीएसटी ऑफिस में की गई। बताया जा रहा है कि सेल टैक्स डिपार्टमेंट के टैक्स असिस्टेंट पुरुषोत्तम जोशी ने कोल्ड ड्रिंक कंपनी के नौ लाख की रिकवरी के सेटलमेंट के लिए 50 हजार रुपए मांगे थे। जानकारी के अनुसार पुरुषोत्तम जोशी को बालाजी कोल्डड्रिंक कंपनी के नौ लाख की रिकवरी का सेटलमेंट करने के एवज में रिश्वत लेते रंगे हाथों ट्रैप किया है। आरोप है कि टैक्स बचाने की एवज में 50 हजार रुपए की रिश्वत मांगी गई थी।

एसीबी के एडिशनल एसपी आशीष कुमार के नेतृत्व में टीम ने कार्रवाई को अंजाम दिया। जैसे ही आरोपी टैक्स असिस्टेंट ने शिकायतकर्ता से रिश्वत की राशि ली, एसीबी टीम ने उसे मौके पर पकड़ लिया। कार्रवाई के दौरान जीएसटी कार्यालय में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। एसीबी टीम आरोपी से पूछताछ कर रही है। वहीं रिश्वत से जुड़े दस्तावेज और अन्य साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। मामले में की जांच जारी है। पिछले कई दिनों से इस विभाग में गड़बड़ी की शिकायत एसीबी को मिल रही थी। इस बीच ये शिकायत मिलते ही एसीबी ने टीम का गठन कर लिया। एसीबी अब कर्मचारी के बैंक खातों की जांच करेगी। एसीबी का कहना है कि दो दिन पहले 13 दिसम्बर को संबंधित फर्म ने शिकायत दर्ज करवाई थी कि उसकी जीएसटी रिकवरी साढ़े नौ लाख रुपए निकली है। इसके सेटलमेंट के लिए पुखराज जोशी पचास हजार रुपए की रिश्वत मांग रहा है। इस शिकायत की पहले वेरिफिकेशन करवाया गया, इसके बाद सोमवार को उसे रुपए लेकर भेजा गया। सेल टैक्स ऑफिस में जैसे ही रुपए दिए, वैसे ही एसीबी की टीम ने उसे दबोच लिया। वहीं टैक्स असिस्टेंट पुरुषोतम जोशी द्वारा रिश्वत सहकर्मी वरिष्ठ सहायक कालीचरण जोशी को देना बताया है जिसकी तलाश की जा रही है।

86500 के नकली नोट सहित तीन आरोपी गिरफ्तार

नागौर/जयपुर। नागौर पुलिस ने भारतीय जाली मुद्रा को बाजार में चलाने वाले गिरोह के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 86 हजार 500 मूल्य के जाली नोट बरामद किए हैं और तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जयपुर पुलिस के इनपुट पर गिरफ्तार किए गए इन आरोपियों से पुलिस ने 500-500 के 173 जाली नोट बरामद किए हैं।

- **जयपुर पुलिस के इनपुट पर आरोपियों से पुलिस ने 500-500 के 173 जाली नोट बरामद किए**

नकली नोट प्रकरण में पुलिस ने तीन युवकों को गिरफ्तार किया।

पुलिस अधीक्षक नागौर मृदुल कच्छावा ने बताया कि सोमवार को जयपुर पुलिस से मिले इनपुट के आधार पर वीर तेजा कॉलोनी में दबिश दी। पुलिस को सूचना मिली थी कि आरोपी अजय सिंह, अशोक और जगदीश कॉलोनी में बैठे हैं और उनके पास जाली भारतीय मुद्रा है, जिसे वे बाजार में चलाने की फिराक में हैं। आरोपियों की तलाशी लेने पर उनके कब्जे से 500-500 रुपये के कुल 173 जाली नोट बरामद किए गए, जिनका कुल मूल्य 86 हजार 500 है। गिरफ्तार अभियुक्त अजय सिंह पुत्र कल्याण सिंह (36) एफसीआई गोदाम के पास और अशोक जाट पुत्र हुकमा राम (23) व जगदीश जाट पुत्र नरपत राम (26) वीर तेजा कॉलोनी थाना कोतवाली नागौर के रहने वाले हैं। तीनों आरोपियों को मौके से गिरफ्तार कर लिया गया है और उनके खिलाफ संबंधित धाराओं में प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान शुरू कर दिया गया है। इस कार्रवाई में एसएचओ वेदपाल शिवराण के साथ कांस्टेबल गरीबाराम, राकेश सांगवा, नरेंद्र, दुर्गा राम, घमण्डा राम और मनोज का विशेष योगदान रहा।

चित्तौड़गढ़ कलैक्ट्रेट को बम से उड़ाने की धमकी मिली

- **जिला कलैक्टर की ई-मेल आईडी पर आधी रात धमकी दी, पुलिस जांच में जुटी**
- **सुरक्षा एजेंसियों द्वारा पूरे कलैक्ट्रेट परिसर में सघन सर्च अभियान चलाया गया**

उदयपुर, (का.सं.)। सोमवार को संभाग के चित्तौड़गढ़ जिला कलैक्ट्रेट को बम से उड़ाने की धमकी मिलने पर प्रशासन में हड़कंप मच गया। यह धमकी जिला कलैक्टर की आधिकारिक ई-मेल आईडी पर आधी रात में भेजे गए एक मेल के माध्यम से मिली। मेल मिलते ही जिला प्रशासन और पुलिस विभाग सतर्क हो गया।

अति. पुलिस अधीक्षक सरिता सिंह ने बताया कि आधी रात में करीब 12.47 पर जिला कलैक्टर की मेल पर कलैक्ट्रेट परिसर को बम से उड़ाने का एक ई-मेल मिला जिसमें परिसर में पांच बम होने का सूचना पर सोमवार सवेरे कलैक्ट्रेट परिसर में आमजन की आवाजाही पर रोक लगा दी गई। पुलिस, बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वायड टीम मौके पर पहुंची। सुरक्षा एजेंसियों द्वारा पूरे कलेक्ट्रेट परिसर में सघन सर्च अभियान चलाया गया। प्रत्येक कमरे, कार्यालय और आसपास के क्षेत्र की बारीकी से जांच की गई। धमकी भरे मेल की जांच साइबर टीम द्वारा की जा रही है। मेल किसने और कहां से भेजा, इसका पता लगाने के प्रयास किए जा रहे हैं। फिलहाल किसी भी संदिग्ध वस्तु के मिलने की पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन एहतियात के तौर पर सभी आवश्यक सुरक्षा कदम उठाए गए हैं। उदयपुर से बम निरोधक दस्ते और ईआरटी के कमांडो द्वारा सम्पूर्ण कलैक्ट्रेट परिसर में गहनता से जांच की गई। इस दौरान एसओजी की अति. पुलिस अधीक्षक स्वाती शर्मा सहित अन्य सुरक्षा अधिकारी मौजूद रहे। प्रशासन ने आम लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और सहयोग बनाने की अपील की है। इस सम्बन्ध में कोतवाली थाने में प्रकरण भी दर्ज किया गया।

टोंक में दो युवकों की सड़क हादसे में मौत

टोंक, (निसं)। उनियारा थाना क्षेत्र के चतरपुरा गांव में जन्मदिन के अवसर पर दो दोस्तों को उनियारा-गुलाबपुरा एनएच-148डी पर स्थित एक निजी होटल पर नाश्ता लेकर वापस आते समय तेज रफ्तार से आ रही कार ने उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। हादसे में नाबालिग के साथ उसके दोस्त की मौत हो गई। सूचना के बाद मौके पहुंची थाना पुलिस ने कार को जप्त कर तीन कार सवारों को गिरफ्तार किया है। सचिन मीणा (16) का रविवार को जन्मदिन के अवसर उसके दोस्त नरेश (21) साल के साथ दोनों मोटरसाइकिल से गांव से एक किलोमीटर दूर होटल पर नाश्ता लेने गये हुए थे, जब वह वापस लौट रहे थे तभी गुजरात नंबर की तेज रफ्तार से आ रही कार ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी, जिससे मौके पर ही दोनों की मौत हो गई। इस दौरान कार में 3 लोग सवार थे, जो उनियारा की ओर से आ रहे थे। हादसे के बाद मौके पर भीड़ जमा हो गई, जिन्होने थाना पुलिस को सूचना दी। बाद में सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों को उनियारा अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टर ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया।

विक्रम भट्ट और उनकी पत्नी श्वेतांबरी भट्ट की गिरफ्तारी मामले में कोर्ट में सुनवाई हुई

- **कोर्ट के आदेश पर उदयपुर आईजी गौरव श्रीवास्तव और एसपी योगेश गोयल वर्चुअली कोर्ट के सामने पेश हुए**
- **करीब डेढ़ घंटे तक सुनवाई के बाद जस्टिस समीर जैन ने 42 करोड़ के कॉन्ट्रैक्ट से जुड़े विवाद की एफआईआर पर फैसला रिजर्व रखा**

जोधपुर, (कासं)। फिल्म प्रोड्यूसर-डायरेक्टर विक्रम भट्ट और उनकी पत्नी श्वेतांबरी भट्ट की गिरफ्तारी के मामले में राजस्थान हाईकोर्ट जोधपुर की एकलपीठ में सुनवाई हुई। कोर्ट के आदेश पर उदयपुर आईजी गौरव श्रीवास्तव और एसपी योगेश गोयल वर्चुअली कोर्ट के सामने पेश हुए। मामले में याचिकाकर्ता और प्रतिवादी दोनों पक्षों की दलील सुनने और मामले के तथ्यों पर विचार करने के बाद कोर्ट ने आईजी से कई सवाल पूछे। इनमें एकबारगी तो कोर्ट ने पूरे प्रकरण को ही सीबीआई से जांच कराने तक की बात कही। करीब डेढ़ घंटे तक सुनवाई के बाद जस्टिस समीर जैन ने 42 करोड़ के कॉन्ट्रैक्ट से जुड़े विवाद की एफआईआर पर फैसला रिजर्व रखा है।

जानकारी के अनुसार राजस्थान के इंदिरा ग्रुप ऑफ कंपनीज के मालिक डॉ. अजय मुर्डिया ने विक्रम भट्ट से फिल्म बनाने के लिए 42 करोड़ का कॉन्ट्रैक्ट किया था। धोखाधड़ी का एहसास होने पर 17 नवंबर को विक्रम भट्ट समेत 8 लोगों के खिलाफ उदयपुर में एफआईआर दर्ज कराई थी। इसके बाद उदयपुर पुलिस ने भट्ट के को-प्रोड्यूसर महबूब अंसारी व फर्जी वेंडर संदीप को मुंबई से पकड़ा था। वहीं विक्रम भट्ट और उनकी पत्नी श्वेतांबरी को 7 दिसंबर को मुंबई के उनके फ्लैट से गिरफ्तार किया गया था। दोनों को 9 दिसंबर को उदयपुर कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया गया था।

वहीं दूसरी तरफ 9 दिसंबर को ही राजस्थान हाईकोर्ट (जोधपुर बैंच) में विक्रम भट्ट की गिरफ्तारी पर रोक की याचिका पर सुनवाई हुई थी। इस सुनवाई में राजस्थान हाईकोर्ट ने भट्ट दंपती की गिरफ्तारी में जल्दबाजी का रूख अपनाने पर आईजी, एसपी और जांच अधिकारी को कोर्ट में पेश होने का आदेश दिया था। मामले में याचिकाकर्ता विक्रम प्रवीण भट्ट (56), उनकी पत्नी श्वेतांबरी भट्ट (44), मेहबूब अंसारी (40), मुदित बुट्टन (29), विक्रम भट्ट की बेटी कृष्णा (30), गंगेश्वरलाल श्रीवास्तव (50) और अशोक दुबे (51) हैं। वहीं प्रतिवादी उदयपुर के अजय मुर्डिया हैं।

याचिकाकर्ताओं के वकील महेंद्र गोदारा ने कोर्ट में तर्क दिया कि विक्रम भट्ट फिल्म इंडस्ट्री में प्रतिष्ठित प्रोड्यूसर-डायरेक्टर हैं। उन्हें उनकी पत्नी के साथ मुबंई से रविवार को गिरफ्तार किया गया। वकील ने तर्क दिया कि यह मामला पूरी तरह से सिविल प्रकृति का है, क्योंकि पक्षकारों के बीच कांट्रेक्चुअल विवाद है।

वकील ने बताया कि मौजूदा एफआईआर को देखने से साफ पता चलता है कि पक्षकारों के बीच फिल्म बनाने के लिए कॉन्ट्रेक्ट हुआ था। कॉन्ट्रेक्ट के तहत लगभग 42 करोड़ रुपए की राशि कंसिडरेशन थी। वकील ने कहा कि कॉन्ट्रेक्ट को विधिवत क्रियान्वित किया गया। इसके बाद भी भट्ट पर धोखाधड़ी और चीटिंग के आरोप लगाए गए, जो ग़लत हैं। वकील ने कहा कि मामले में कोई प्रारंभिक जांच नहीं की गई है। वकील ने बताया कि शिकायतकर्ता ने याचिकाकर्ता के कर्मचारियों के साथ मिलकर एफआईआर दर्ज कराई है।

सरकारी वकील ने कोर्ट में बताया कि याचिकाकर्ता के कर्मचारियों के बयानों के बाद प्रारंभिक जांच की गई। इसके बाद कानून के अनुसार विधिवत रूप से याचिकाकर्ता की गिरफ्तारी की गई। भट्ट ने अतिरंजित खर्च किए। इसी कारण विश्वासघात और धोखाधड़ी का अपराध याचिकाकर्ता की ओर से किया गया। बहरहाल कॉन्ट्रैक्ट से जुड़े विवाद की एफआईआर पर फैसला रिजर्व रखा गया है।

जेवर चुराने का मामला दर्ज

उदयपुर, (का.सं.)। हाथीपोल थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ सोना चुराने का प्रकरण दर्ज किया। पीड़ित गुलाम दस्तगीर पुत्र गुलाम मुस्तफा ने आरोपी भरतमल पुत्र सपनमल निवासी राजनाद दायपुर मेदिनीपुर पश्चिम बंगाल हॉल गली नं. 9 चमनपुरा के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। मैं सोने-चांदी के जेवरात बनाने का कारोबार करता हूं तथा आरोपी कारीगर हैं, जिनके जरिये जेवरात बनावाता हूं। गत दिनों आरोपी चकमा देकर 30-40 ग्राम सोना चुरा ले गए। इसका पता चलने पर पड़ताल की तो कोई संतोषप्रद जवाब नहीं दिया। इस मामले में पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

कार सवार युवकों पर बदमाशों ने हमला किया

उदयपुर, (का.सं.)। अम्बामाता थाना क्षैत्र में दो बदमाश कार को रोक उसमें सवार दो युवकों पर चाकू से हमला कर नकदी, जेवर व मोबाईल छीन ले गए।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रविवार रात में दुकधिया गणशेजी रोड़ पर दो बदमाशों ने कार को रोक उसमें सवार ब्रम्हपोल निवासी आयुष पंवार एवं सेंट्रल एरिया निवासी यश माली पर चाकू से हमला कर सोने की चेन, 25 हजार रूपये नकदी एवं मोबाईल छीन कर फरार हो गए। आयुष व यश दोनों कार में विला से घर लौट रहे थे। जहां बीच रास्ते में दुधिया गणेशजी के समीप सामान खरीदने के लिए रूक कर गली की तरफ गए, जहां मिले दो बदमाशों ने धमकाते हुए कार की चाबी मांगी। नहीं देने पर फाटक खोल कर खीच कर बाहर निकाल चाकू से आयुष के पांव पर हमला कर मोबाईल व गले से चेन छीन ली इसको देख भागे यश का पिछा कर उसके पीठ में चाकू से हमला कर मोबाईल तथा कार से पच्चीस हजार रूपये नकदी छीन ले गए। वहां से कुछ दूरी पर पहुंच कर परिजनों को सूचना करवाई। जिन्हें उपचार के लिए चिकित्सालय पहुंचाया। इस मामले में पुलिस ने भूपेश पुत्र प्रेम माली निवासी रेती स्टेण्ड की रिपोर्ट पर हमलावरों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर उनकी तलाश शुरू की।

केंद्रीय कारागृह का निरीक्षण किया

उदयपुर, (का.सं.)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर के तत्वाधान में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण उदयपुर के अध्यक्ष ज्ञानप्रकाश गुप्ता के निर्देशां के ऋम में सचिव कुलदीप शर्मा द्वारा केंद्रीय कारागृह का औचक निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान बंदियों को नि: शुल्क विधिक सहायता, अपील चिकित्सा, भोजन, नाश्ते, मुलाकात, एस.टी.डी. इत्यादि की जानकारी ली गई। इस दौरान अधीक्षक केंद्रीय कारागृह राजपाल सिंह उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान बंदीजन की अपील एवम नि:शुल्क विधिक सहायता के संबंध में विशेष निर्देश प्रदान दिए गए।

घने कोहरे के कारण जयपुर से श्रीगंगानगर जा रही बस रास्ता भटक गई

बस को श्रीगंगानगर जाना था, लेकिन सादुलशहर वाले रास्ते पर चली गई

श्रीगंगानगर, (निसं)। प्रदेश में सोमवार सुबह श्रीगंगानगर, अलवर और जैसलमेर में घना कोहरा छाया रहा। श्रीगंगानगर में विजिबिलिटी पांच मीटर तक रह गई थी। इससे वाहन चालकों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ा। घने कोहरे के कारण जयपुर से श्रीगंगानगर जा रही बस सादुलशहर की सड़क पर चली गई। बाद में ड्राइवर ने बस को वापस मोड़ा।

जानकारी अनुसार कोहरे के कारण जयपुर से श्रीगंगानगर आ रही बस रास्ता भटक गई और सादुलशहर जाने लगी, जिसके बाद ड्राइवर को पता चला तो उसने बस को वापस मोड लिया। कृषि अनुसंधान केंद्र, श्रीगंगानगर पर सोमवार सुबह न्यूनतम तापमान 9.3 डिग्री रिकार्ड किया गया। इससे पहले रविवार को न्यूनतम तापमान 10.3 डिग्री व अधिकतम तापमान 24.5 डिग्री रिकार्ड किया गया। वहीं, रविवार को न्यूनतम तापमान 9.9 डिग्री और अधिकतम तापमान 24.7 डिग्री रिकार्ड किया गया था। पश्चिमी विक्षोभ का असर रविवार को कम रहा। बीकानेर, जोधपुर, अजमेर, जयपुर संभाग के अधिकांश हिस्सों में इस सिस्टम के असर से हल्के बादल रहे। मौसम केन्द्र जयपुर ने राज्य में अगले 5 दिन मौसम ड्राई रहने का अनुमान जताया है।

अलवर में पिकअप-बाइक की टक्कर में बुजुर्ग की मौत, दो घायल

अलवर, (निसं)। अलवर में पिकअप और बाइक की भीषण टक्कर में एक बुजुर्ग ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस-प्रशासन के मौके पर समय से नहीं पहुंचने के कारण लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। गुस्साए लोगों ने पुलिस-प्रशासन के खिलाफ लापरवाही का आरोप लगाते हुए जमकर नारेबाजी की और प्रदर्शन किया।

- **पुलिस-प्रशासन के मौके पर समय से नहीं पहुंचने पर लोगों का गुस्सा फूट पड़ा**
- **गुस्साए लोगों ने पुलिस-प्रशासन के खिलाफ लापरवाही का आरोप लगाते हुए प्रदर्शन किया**

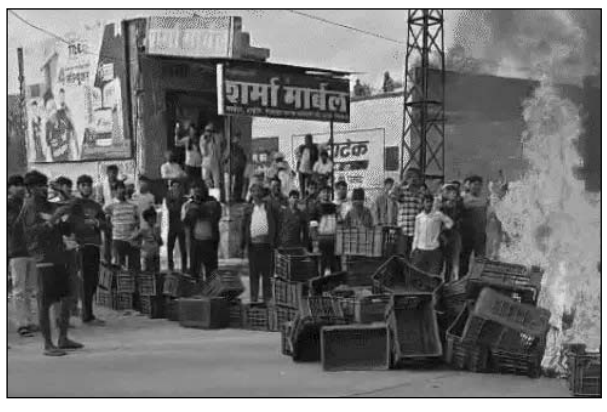

हादसे के बाद गुस्साये लोगों ने सड़क पर जाम लगा दिया।

गुस्साए लोगों ने बीच सड़क पर टायर जलाकर प्रदर्शन किया, जिससे दोनों तरफ लंबा जाम लग गया। हादसे में रामसिंह राजावत (70) की इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि रामसिंह राजावत के बेटे मोहन सिंह राजावत (42) और पिकअप ड्राइवर लाड़ी गुर्जर (24) घायल हो गए। स्थानीय लोगों का आरोप है कि पुलिस प्रशासन की घोर लापरवाही के कारण घायलों को समय पर इलाज नहीं मिल सका। प्रत्यक्षदर्शी राजेश ने बताया कि दोपहर तीन बजे प्रतापगढ़ के थानागाजी रोड पर यह दर्दनाक हादसा हुआ। हादसे में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। राजेश ने तुरंत पुलिस को सूचना दी, लेकिन हैरानी की बात है कि काफी देर तक पुलिस मौके पर नहीं पहुंची। पुलिस प्रशासन की इस लापरवाही से गुस्साए स्थानीय लोगों ने पिकअप में रखी सब्जियों की कैरेट को जलाना शुरू कर दिया। थानागाजी रोड को जाम कर दिया। लोगों का गुस्सा देखकर पुलिस प्रशासन अब मौके पर पहुंचा और समझाइश की। स्थानीय लोगों का आरोप है कि पुलिस प्रशासन की ओर से उनके क्षेत्र में लगातार लापरवाही बरती जा रही है और इस हादसे ने उनकी सहनशीलता की सीमा को तोड़ दिया है।

तीन मंजिला इमारत तोड़ते समय हुआ हादसा

- **भरभराकर गिरी बिल्डिंग, मजदूर घायल, बड़ी जनहानि टली**

अजमेर, (निसं)। हरिभाऊ उपाध्याय नगर थाना क्षेत्र के पुष्कर रोड स्थित राधा विहार कॉलोनी की गली नंबर चार में सोमवार को तीन मंजिला इमारत को तोड़ने के दौरान बड़ा हादसा हो गया। भवन का एक हिस्सा अचानक भरभरा कर गिर पड़ा, जिससे मलबे में दबने से एक मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गया। गनीमत रही कि घटना में कोई जनहानि नहीं हुई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार भवन को जेसीबी मशीन और मजदूरों की सहायता से तोड़ा जा रहा था। इसी दौरान अचानक इमारत का हिस्सा गिरने से तेज आवाज के साथ धूल का गुबार उठ गया, जिससे आसपास के रिहायशी क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। कुछ समय के लिए कॉलोनी में भगदड़ जैसे हालात बन गए और बड़ी संख्या में लोग मौके पर जमा हो गए।

स्थानीय लोगों ने बताया कि उक्त बहुमंजिला इमारत करीब एक माह पूर्व बेची गई थी। नया मालिक पुराने ढांचे को हटाकर नया निर्माण कराना चाहता था। क्षेत्रवासियों का आरोप है कि तोड़फोड़ कार्य के दौरान सुरक्षा मानकों की अनदेखी की गई। न तो किसी तकनीकी विशेषज्ञ की निगरानी थी और न ही मजदूरों को पर्याप्त सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराए गए थे।

हादसे के बाद मलबे में फंसे घायल मजदूर को अन्य मजदूरों की मदद से बाहर निकालकर उपचार के लिए रवाना किया गया। इमारत का मलबा सड़क तक फैल जाने से कुछ समय के लिए आवागमन भी प्रभावित रहा। सूचना मिलने पर हरिभाऊ उपाध्याय नगर थाना पुलिस और नगर निगम के अधिकारी मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लेकर जांच शुरू की।

कार्यालय नगरपालिका मण्डल राजलदेसर जिला चूरू (राज.)
Email-raj.churu.bika@gmail.com Phone number 01567-294504
क्रमांक:- न.पा.रा./2025-26/10614 दिनांक:- 11.12.2025
Notice Inviting Bid
Bid for 04 Work is invited from interested bidders upto 22.12-2025, 06.00 PM. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://sppp.raj.nic.in) (www.eproc.rjasthan.gov.in)
NIB Code – DLB2526A8992
UBN Code – (DLB2526WSRC26881), (DLB2526WSRC26882), (DLB2526WSRC26883), (DLB2526WSRC26884)
अधिशाषी अधिकारी
राज.संवाद/सी/25/15821 नगरपालिका, राजलदेसर

कार्यालय नगरपालिका मण्डल राजलदेसर जिला चूरू (राज.)
Email-raj.churu.bika@gmail.com Phone number 01567-294504
क्रमांक:- न.पा.रा./2025-26/10621 दिनांक:- 11.12.2025
Notice Inviting Bid
Bid for 05 Work is invited from interested bidders upto 22.12-2025, 06.00 PM. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://sppp.raj.nic.in) (www.eproc.rjasthan.gov.in)
NIB Code – DLB2526A8990
UBN Code – (DLB2526WSRC26876), (DLB2526WSRC26877), (DLB2526WSRC26878), (DLB2526WSRC26879), (DLB2526WSRC26880)
अधिशाषी अधिकारी
राज.संवाद/सी/25/15822 नगरपालिका, राजलदेसर

Office of The Executive Engineer, Water Resources Navnera Project Dn. I Kota
NO. EE/WR/KOTA/NIT/2025-26/3048-77 DATE: 10.12.2025
E-NIT NO. 06/2025-26
Bid for 08 Nos. Civil works is invited for interested bidders from 11.12.2025 (9.30 Hr) to 21.12.2025 till 18.00 Hr. Other particulars, terms & conditions may be seen on the procurement portal http://eproc.rajasthan.gov.in & http://sppp.rajasthan.nic.in and www.dipr.rajasthan.gov.in & www.water.rajasthan.gov.in
UBN NO. 1. WRD2526WSOB1961, 2. WRD2526WSOB1962, 3. WRD2526WSOB1963, 4. WRD2526WSOB1964, 5. WRD2526WSOB1965, 6. WRD2526WSOB1966, 7. WRD2526WSOB1967, 8. WRD2526WSOB1968
Executive Engineer, Water Resources Navnera Project Dn-1 Kota
DIPR/C/18467/2025

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PWD DIVISION AMET (RAJASTHAN)
File No. 1918 Date: 10.12.2025
Notice Inviting Bid
Bids for Nit No. 23/2025-26 (Road Works)2 Nos. are invited from interested biddersupto Date 22.12.2025, 06.00 P.M. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state. and departmental website. The approximate value of the procurementis Rs. 184.96 Lacs.
NIB NO. PWD2526A4682, UBN NO. 1. PWD2526WSOB18684, 2. PWD2526WSOB18685
EXECUTIVE ENGINEER PWD DIVISION AMET
DIPR/C/18458/2025

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता जन.स्वा.अभि.विभाग, नगर खण्ड, तृतीय (दक्षिण), मालवीय नगर जयपुर
E-mail: eecityd3.jal.phed@rajasthan.gov.in दूरभाष सं. 0141-2940746
क्रमांक: अअ/न ख 3 (द.)/2025-26/4144-57 **निविदा सूचना** दिनांक-11.12.2025
राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से पंजीकृत संवेदकों जो राजस्थान सरकार के नियमानुसार अधिकृत हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट प्रक्रिया द्वारा ऑनलाइन निविदाऐं आमंत्रित की जाती हैं। इच्छुक संवेदक ई-निविदा में भाग लेने हेतु अपने डिजिटल हस्ताक्षर (डीएससी) http://www.eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक है। निविदा संबंधित विवरण निम्नलिखित वैबसाईट पर देख सकते है।
1. http://www.eproc.rajasthan.gov.in (Online) (2) http:/sppp.rajasthan.gov.in

S.No.	NIT Number	UBN Code
1	38/2025-26	PHE2526WSOB09673

(भावना मीणा)
अधिशाषी अभियन्ता,जन स्वा.अभि.विभाग नगर खण्ड-तृतीय (दक्षिण) जयपुर।
DIPR/C/18460/2025

कार्यालय नगरपालिका मण्डल, सुमेरपुर, जिला - पाली
क्रमांक : न.पा.सु/विकास/ई-निविदा/2025-26/7852 दिनांक : 10.12.2025
-: ई-निविदा 13/2025-26 सूचना :-
नगरपालिका मण्डल, सुमेरपुर की ओर से मान्यता प्राप्त पंजीकृत ठेकेदारों से निविदा द्वारा 08 विकास कार्यो की कुल लागत 125.38 लाख रूपये की निविदा आमंत्रित की जाती है। आंशिक अथवा पूर्णतः निविदा स्वीकृत/ अस्वीकृत करने का अधिकार ई-निविदा स्वीकृत अधिकारी को होगा। ई-निविदा की विस्तृत जानकारी व शर्तें कार्यालय में एवं विभाग की वेब साईट www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखी व पढी जा सकती है।
जिनके UBN No. निम्नलिखित है:-
1- DLB2526WSOB27052
2- DLB2526WSOB27054
3- DLB2526WSOB27056
4- DLB2526WSOB27058
5- DLB2526WSOB27059
6- DLB2526WSOB27061
7- DLB2526WSOB27062
8- DLB2526WSOB27063

Bid Selling Last Date	22-12-2025/10.00 AM

प्रशासक नगरपालिका, सुमेरपुर
अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका, सुमेरपुर
राज.संवाद/सी/25/15868

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राज्य सरकार के 2 वर्ष पूर्ण होने पर सोमवार को मोतीडूंगरी स्थित श्री गणेश जी मंदिर एवं श्री गोविंद देव जी मंदिर में पूजा कर प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की। डीग जिले के पूंछरी का लौठा स्थित मुकुट मुखारविंद मन्दिर में श्री गिरिराज जी की भी पूजा-अर्चना की। इसके अलावा आरयूएचएस चिकित्सालय परिसर में राज्य स्तरीय आरोग्य शिविर, रक्तदान शिविर और विभिन्न कार्यक्रमों का शुभारंभ किया।

''हील इन राजस्थान'' पॉलिसी से प्रदेश मैडिकल वैल्यू ट्रैवल डैस्टिनेशन बनेगा- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने राज्य सरकार के दो वर्ष पूरे होने पर आरयूएचएस में आयोजित आरोग्य एवं रक्तदान शिविर का उद्घाटन किया

■ मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रदेश के सभी मैडिकल कॉलेजों तथा सब सैंटर पर आयोजित आरोग्य शिविर में 30 वर्ष से अधिक आयु के हर व्यक्ति का उचित उपचार किया जा रहा है। जिसमें निशुल्क जाँच व निशुल्क दवा दी जा रही है।

जयपुर, 15 दिसम्बर। सोमवार को राज्य सरकार के दो वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आरयूएचएस चिकित्सालय परिसर में आयोजित राज्य स्तरीय आरोग्य शिविर, रक्तदान शिविर और विभिन्न कार्यक्रमों के शुभारंभ समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान का हर नागरिक निरोगी, स्वस्थ व खुशहाल हो, इस संकल्प को साकार करने की दिशा में राज्य सरकार ''स्वस्थ राजस्थान'' के लक्ष्य पर काम कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आरयूएचएस में उन्नत चिकित्सा सुविधाओं से युक्त क्रिटिकल केयर ब्लॉक प्रदेशवासियों को समर्पित किया जा रहा है, जिसमें आईसीयू बेड, इमरजेंसी के लिए विशेष बेड, एडवांस्ड वेंटिलेटर सिस्टम, मॉड्यूलर ऑपरेशन थियेटर और डायलिसिस आदि सुविधाएं हैं।

उन्होंने कहा कि प्रदेश भर में मेडिकल कॉलेजों से लेकर सब सेंटर तक आरोग्य शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इनमें 30 वर्ष से अधिक आयु के हर व्यक्ति की बीएमआई, बीपी, शुगर और कॉमन कैंसर आदि जांच कर उचित उपचार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आरोग्य शिविर में आने वाले रोगियों को निशुल्क दवा और निशुल्क जांच उपलब्ध भी करवाई जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेशभर के जिला मुख्यालय तथा तहसील स्तर पर रक्तदान शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। शर्मा ने मेडिकल टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए ''हील इन राजस्थान पॉलिसी, 2025'' का विमोचन किया। उन्होंने कहा कि यह नीति प्रदेश को कम लागत वाले विश्वसनीय और सुलभ मेडिकल वैल्यू ट्रैवल डेस्टिनेशन के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर, संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास सहित, अन्य जनप्रतिनिधिगण, अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

एसआई ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

(एफएसएल) से जांच कराई जा रही है।

एडीजी बंसल के अनुसार, राजस्थान लोक सेवा आयोग से भर्ती से जुडा पूरा रिकॉर्ड मंगवा कर उसका लगातार विश्लेषण किया जा रहा है। जांच के दौरान कुछ अभ्यर्थियों के रिकॉर्ड संदिग्ध पाए गए। परीक्षा देने वाले व्यक्ति और नौकरी कर रहे व्यक्ति की फोटो, हैंडराइटिंग व हस्ताक्षर में अंतर मिलने पर एफएसएल से जांच कराई गई।

एफएसएल रिपोर्ट में जहां पुष्टि हुई कि दोनों अलग-अलग व्यक्ति हैं, वहां उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि दस्तावेजों की जांच दो चरणों में की जा रही है।

पहले चरण में एसओजी अधिकारी प्रारंभिक स्क्रूटनी करते हैं और संदेह होने पर दूसरे चरण में एफएसएल जांच कराई जाती है। यह प्रक्रिया भले ही समय लेने वाली और मेहनत भरी हो, लेकिन हर एक अभ्यर्थी के दस्तावेजों की जांच सुनिश्चित की जा रही है।

एक्स ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एक है।'' विश्लेषण में आलोचना की गई कि कांग्रेस में जड़ें मजबूत करने की दिलचस्पी नहीं है और इनकी भाजपा के कैडर की गहराई, अनुशासन और आरएसएस के माध्यम से सांस्कृतिक जुड़ाव के साथ तुलना की। इसमें कहा गया है कि भारत में ग्रामीण राजनीति में दीर्घकालिक संगठनात्मक और सांस्कृतिक जुड़ाव की आवश्यकता होती है, जिसे प्राप्त करने में कांग्रेस ने संघर्ष किया है।

पोस्ट ने यह स्पष्ट किया कि थरूर ने दक्षिणपंथ का रुख नहीं किया। पोस्ट में उनके हिंदू पहचान पर गर्व की बात की गई और उनकी किताब ''व्हाय आई एम ए हिंदू'' की बात की गई। विश्लेषण ने यह निष्कर्ष निकाला कि आज कांग्रेस ''न तो एक विश्वसनीय शहरी सुधारवादी पार्टी है और न ही एक गंभीर ग्रामीण जन पार्टी'', जिसने सफलतापूर्वक रूपांतरित हुए बिना ही अपना पूर्व दृष्टिकोण त्याग दिया। ''नतीजतन, इसकी पहचान आज मुख्य रूप से विरोधी की है, महत्वाकांक्षी की नहीं। एक राष्ट्रीय पार्टी के लिए यह घातक है। बिना विचारधारा के विरोध राजनीतिक क्षय है। आज कांग्रेस की पहचान विरोध बन गई है।''

नितिन नबीन की ...

■ भाजपा के रणनीतिकारों का तर्क है, पार्टी अध्यक्ष केवल एक प्रशासक ही नहीं होता, वो टिकिटों पर निर्णय लेता है। पार्टी की ओर से मैसेज देता है तथा पार्टी में अनुशासन बनाए रखना भी उसकी जिम्मेवारी होती है। इसलिए अध्यक्ष पद पर अपना आदमी नियुक्त करके, अमित शाह ने यह सिक्काबंद काम कर लिया है कि मोदी के उत्तराधिकारी का कथानक जब भी लिखा जाएगा, वो अमित शाह की शर्तों के अनुसार ही होगा।

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विराम लग गया है, जिसमें वह भाजपा अध्यक्ष के चयन में अपनी पसंद थोपना चाहता था। बताया जाता है कि आर.एस.एस. एक ऐसे सर्वसम्मत उम्मीदवार के पक्ष में था, जो उसकी दीर्घकालिक वैचारिक प्राथमिकताओं के साथ ज्यादा जुड़ा हो, लेकिन अब उसकी पकड़ कमजोर पड़ती दिख रही है। इस बेचैनी को और बढ़ाने वाली बात यह है कि सत्ता के गलियारों में संभावित अंतर्राष्ट्रीय घटनाक्रमों के बारे में फुसफुसाहटें चल रही हैं। जिनमें, दोषी यौन अपराधी जेफ्री एप्स्टीन से जुड़े ई-मेल से संबंधित, अमेरिका से होने वाले नए संभावित खुलासे शामिल हैं। हालांकि ये बातें अभी कयासों पर आधारित हैं, लेकिन कुछ नेताओं को आशंका है कि ऐसे किसी भी खुलासे से राजनीतिक उथल-पुथल मच सकती है, जिससे सत्तारूढ़ पार्टी के लिए सख्त संगठनात्मक नियंत्रण और भी जरूरी हो जाएगा। फिलहाल, नितिन नबीन की नियुक्ति एक साफ संकेत देती है कि भाजपा पावर स्ट्रक्चर निर्णायक रूप में बदला जा रहा है, और नरेंद्र मोदी के स्वाभाविक उत्तराधिकारी के रूप में अमित शाह की महत्वाकांक्षाएं अब सिर्फ कानाफूसी तक सीमित नहीं रहीं, वे एक खुला राज़ बनती जा रही हैं।

नितिन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इसके पहले नबीन के दिल्ली आगमन पर सोमवार को पार्टी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने उनका जोरदार स्वागत किया। दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचने पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता स्वयं वहां मौजूद थीं और उन्होंने नवनियुक्त कार्यकारी अध्यक्ष को शुभकामनाएं दीं। एयरपोर्ट पर भी पार्टी कार्यकर्ताओं की भारी भीड़ देखी गई, जो इस नियुक्ति को संगठन के लिए महत्वपूर्ण कदम बता रहे थे।

आज ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

और क्षेत्रों के मुख्य चुनाव अधिकारी और जिला निर्वाचन अधिकारी सूची के मसौदे की लिखित प्रतियां सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को उपलब्ध करायेंगे। सूची का मसौदा संबंधित राज्य और केंद्र शासित क्षेत्र के मुख्य चुनाव अधिकारियों और जिला निर्वाचन अधिकारियों की वेबसाइट पर भी अपलोड किया जाएगा।

मसौदा सूची पर दावे और आपत्तियां दर्ज कराने के लिए लोगों के पास कल से 15 जनवरी 2026 तक का समय होगा।

प्रियंका ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

शामिल नहीं किया जाएगा।

अब दोनों, प्रशांत किशोर और कांग्रेस पार्टी, कठिन परिस्थिति में हैं।

सूत्रों के मुताबिक, राहुल गांधी के पास एक टीम है, जो उनकी राजनीति को दिशा देती है, इसे ''जय जगत'' कहा जाता है। प्रियंका इस समूह और उनकी राजनीति, दर्शन और राहुल गांधी को मार्गदर्शन देने के तरीके से असहमत हैं, जो उनके अनुसार कांग्रेस को नष्ट कर रहा है। के. सी. वेणुगोपाल कांग्रेस के अधिकांश हिस्से को नियंत्रित करते हैं और पार्टी के हर महत्वपूर्ण निर्णय पर उनका प्रभाव है।

इसी संदर्भ में प्रियंका गांधी अब ऐसे किसी व्यक्ति की तलाश में हैं, जो पार्टी की रणनीति तैयार कर सके और उसे चुनावी मुख्यधारा में लाकर पार्टी को पुन: मजबूत कर सके।

प्रियंका यह मानती हैं कि उन्हें लंबी लड़ाई का सामना करना पड़ेगा, लेकिन असली समस्या यह है कि भाई और बहन के दृष्टिकोण में कांग्रेस को पुन: जीवित करने को लेकर काफी फर्क है, और उनकी मां (सोनिया गांधी) हमेशा अपने बेटे के पक्ष में खड़ी रहती हैं।

नितिन नबीन को भाजपा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

■ नितिन नबीन को पार्टी अध्यक्ष बनाकर भाजपा दो मैसेज देना चाहती है: पार्टी में कोई भी अध्यक्ष बन सकता है। चाहे वो कितना भी सुना हो, या बिल्कुल भी प्रचलित नाम न हो।

■ दूसरा संदेश है कि ऐसे साहसी, अप्रत्याशित निर्णय लेकर पार्टी यह जताना चाहती है कि पार्टी आगे बढ़ रही है, बहुत कुछ हो रहा है।

नवीन के लिए भी। बताया जाता है कि कल पटना में बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के साथ जब वे एक कार्यक्रम में मौजूद थे, तब उन्हें इस फैसले की जानकारी दी गई।

जाहिर है कि नितिन नवीन का चयन बाद में लिया गया फैसला है, क्योंकि उन्होंने हाल ही में, 20 नवंबर को नीतीश कुमार की नई सरकार में बिहार के सड़क निर्माण मंत्री के रूप में शपथ ली थी।

अगले वर्ष की शुरुआत में पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, असम और केरल में विधानसभा चुनाव होने हैं, और इनके बाद, 2027 में उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव होंगे। ऐसे में नए पार्टी अध्यक्ष के रूप में नितिन नवीन के सामने बड़ी राजनीतिक चुनौती होगी। शुरुआती दौर में, या हो सकता है कि लम्बे समय तक भी वे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की निगरानी में काम करेंगे। राजनीतिक पर्यवेक्षक तो उन्हें 'पर्ची' अध्यक्ष कहने ही लगे हैं

नितिन नवीन के चयन से दो अहम राजनीतिक संदेश उभरते दिखाई दे रहे हैं। पहला, भाजपा में साधारण कार्यकर्ताओं के लिए भी शीर्ष पदों तक पहुंचने की संभावना मौजूद है। हालांकि नितिन नवीन के मामले में यह तर्क कुछ कमजोर पड़ता है, क्योंकि वे वरिष्ठ भाजपा नेता और पूर्व विधायक नवीन किशोर प्रसाद सिन्हा के पुत्र हैं। दूसरा संदेश यह है कि साहसिक और जोखिम भरे फैसले लेने की प्रवृत्ति के चलते भाजपा एक गतिशील पार्टी बनी हुई है। आने वाले दिनों में 45 वर्षीय नितिन नवीन की तुलना निश्चित रूप से कांग्रेस अध्यक्ष 83 वर्षीय मल्लिकार्जुन खड़गे से की जाएगी।

भव्य सर्वदलीय ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

संबंधों से चलता है। समाज राजनीति से नहीं चलता, बल्कि राजनीति समाज से चलती है।''

जेजेपी नेता दुष्यंत चौटाला ने भी शुभकामनाएँ देते हुए कहा, आदरणीय शरद पवार को 85 वर्ष पूरे करने पर हार्दिक बधाई। ईश्वर उन्हें स्वस्थ रखे और देश की राजनीति में योगदान देते रहने की शक्ति प्रदान करे।

ऑस्ट्रेलिया ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विस्फोटकों से भरा एक वाहन भी मिला, जिसके हमलावरों से जुड़े होने का शक है। पुलिस कार्यवाही में साजिद मारा गया और उसका बेटा गंभीर रूप से घायल हो गया।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा राष्ट्रदूत प्रेस, जी1/63 इंडस्ट्रीयल एरिया फेस प्रथम, जालौर, (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2006/17286 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908